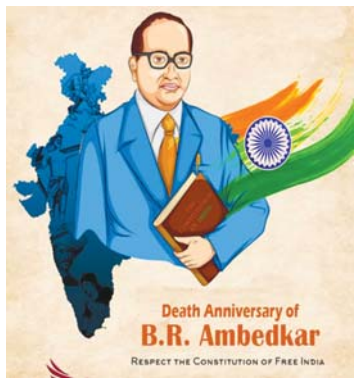

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 121/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 06 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

मप्र में सीएम चयन के लिए नियुक्त होंगे पर्यवेक्षक

शिवराज के बाद अब वीडी शर्मा बोले- मैं मुख्यमंत्री की दौड़ में नहीं, न ही मेरा नाम कहीं है

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नई दिल्ली/भोपाल। एक तरफ दिल्ली में मध्यप्रदेश सहित तीन राज्यों में मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मंथन कर रहा है। अभी तक किसी भी राज्य के लिए चयन नहीं हुआ है। दूसरी ओर मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बाद अब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि वे सीएम की रेस में नहीं हैं। उन्होंने कहा, सीएम की दौड़ में न मेरा नाम कहीं है, न मेरे मन के अंदर है। जो काम मिला है, उसे कर रहे हैं। हम 2024 की तैयारी में हर बूथ पर मोदी अभियान के साथ जुट गए हैं।

वीडी शर्मा ने भोपाल में कहा, सीएम के चेहरे को लेकर जिन्हें चर्चा करना है, वे कर रहे हैं। शर्मा ने मंगलवार को ही दिल्ली जाकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इसे लेकर बीजेपी में भोपाल से लेकर दिल्ली तक हर स्तर पर मंथन चल रहा है। दिल्ली में मंगलवार देर रात तक प्रधानमंत्री आवास पर चली बैठक में मध्यप्रदेश के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम फेस को लेकर विचार-विमर्श हुआ। 4 घंटे चली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने तीनों राज्यों में पर्यवेक्षक भेजने का फैसला लिया है। इनकी नियुक्ति बुधवार को हो सकती है। ये पर्यवेक्षक संबंधित राज्यों में जाकर नवनिर्वाचित विधायकों से रायशुमारी करेंगे। इसके बाद सीएम पद के लिए पैनल तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज छिंदवाड़ा दौरे पर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को छिंदवाड़ा दौरे पर रवाना हो रहे हैं। छिंदवाड़ा पहुंचकर आदिवासी कार्यकर्ता के यहां भोजन करेंगे। मंगलवार देर रात वे भोपाल के शाहजहांनी पार्क के पास बने रैन बसेरा पहुंचे। यहां कुछ लोगों ने बीमार होने की बात कही तो सीएम ने मेडिकल कैंप लगाने के निर्देश दिए। अफसरों से शीतलहर की स्थिति में शहर के प्रमुख चौराहों पर अलाव जलाने की भी बात कही।

विधायकों की बैठक में चुनाव जाएगा नेता

बीजेपी के एक सीनियर लीडर ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक विधायकों की बैठक लेंगे। इस बैठक में हुई रायशुमारी से आलाकमान को अवगत कराया जाएगा। इसके आधार पर संसदीय बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री का नाम तय किया जाएगा। इसके बाद एक बार फिर औपचारिक तौर पर विधायक दल की बैठक होगी। विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा करके शपथ ग्रहण की तारीख तय कर ली जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में दो-तीन दिन का वक्त लग सकता है।

पद की रेस में आधा दर्जन नाम

मुख्यमंत्री पद के लिए शिवराज सिंह चौहान के अलावा केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैलाश विजयवर्गीय और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नाम भी चर्चा में हैं। साल 2005 में पहली बार मध्यप्रदेश के मुखिया बने शिवराज सिंह चौहान 4 बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

शिवराजः जीत में महत्वपूर्ण भूमिका, लोकसभा चुनाव भी बड़ा फैक्टर

शिवराज भले ही खुद को मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं मानते, लेकिन वे स्वाभाविक और सबसे मजबूत दावेदार हैं। 17 सालों से मुख्यमंत्री हैं। चुनाव में मिली जीत में लाड़ली बहना को गेमचेंजर माना जा रहा है। ये शिवराज सरकार की ड्रीम योजना है। ओबीसी चेहरा हैं। किरार-धाकड़ समाज की आबादी प्रदेश की 100 विधानसभाओं में है। लोकप्रिय हैं, संगठन और सत्ता में तालमेल बनाकर काम करना जानते हैं। अब तक संघ की पसंद भी माने जाते रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर पांच महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव।

नरेंद्र तोमरः चुनाव अभियान समिति के प्रमुख रहे, मोदी से नजदीकी

मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव अभियान समिति के प्रमुख रहे। मोदी कैबिनेट का पुराना चेहरा हैं, इसलिए मोदी से नजदीकी है। प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तो संगठन में मजबूत पकड़ है। शिवराज के भरोसेमंद माने जाते हैं। यदि शिवराज से उनकी बजाए कोई और नाम पूछा गया तो उनकी पहली पसंद तोमर हो सकते हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधियाः भविष्य की लीडरशिप के फॉर्मूले पर फिट बैठते हैं

विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए सबसे कमजोर माने जाने वाले ग्वालियर-चंबल में इस बार फिर सिंधिया की धमक सुनाई दी है। 2018 में यहां की 34 सीटों में 7 सीटों पर सिमटी भाजपा को इस बार 18 सीटों पर जीत दिलाने में अहम रोल रहा। भाजपा में शामिल होकर संघ परिवार और संगठन दोनों के साथ तालमेल बनाया है। शिवराज से भी अच्छी ट्यूनिंग रही है। मोदी और शाह दोनों के भरोसेमंद हैं। प्रदेश में भविष्य के लिए नया नेतृत्व तैयार करने की रणनीति के हिसाब से फिट हैं।

प्रहलाद पटेलः शिवराज के बाद दूसरा बड़ा ओबीसी चेहरा, संगठन में मजबूत पकड़

मध्यप्रदेश में शिवराज के बाद ओबीसी का दूसरा बड़ा चेहरा हैं। उसी लोधी समाज से आते हैं, जिस समाज से पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती हैं। प्रदेश में लोधी समुदाय की आबादी 12 फीसदी है। पटेल, सिवनी, बालाघाट और दमोह अलग-अलग सीट से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। कुशल संगठक माने जाते हैं। मोदी कैबिनेट में होने की वजह से मोदी के करीबी हैं। पार्टी ने केंद्र से जितने दिग्गज भेजे थे, उसमें पटेल ही ऐसे थे, जो अपने चुनाव के साथ-साथ दूसरे जिलों की सीटों पर भी लगातार प्रचार करते रहे।

कैलाश विजयवर्गीयः शाह के करीबी माने जाते हैं, चुनावी मैनेजमेंट में माहिर

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। पश्चिम बंगाल के प्रभारी रहे और वहां अपने चुनावी मैनेजमेंट से पार्टी को स्थापित किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। इंदौर की सभी 9 सीटें भाजपा ने जीती। जिस सीट से विजयवर्गीय जीतते हैं, वो भाजपा का गढ़ बन जाती है। पहले शिवराज कैबिनेट में रह चुके हैं। मालवा-निमाड़ में गहरी पकड़ हैं। चुनाव लड़ने के दौरान कह भी चुके हैं कि मुझे पार्टी ने लड़ाया है तो जरूर कोई बड़ी जिम्मेदारी देगी।

विधानसभा चुनाव जीतने वाले भाजपा के 10 सांसदों का इस्तीफा

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव जीतने वाले 10 भाजपा सांसदों ने बुधवार को संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मंगलवार देर रात जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद यह फैसला हुआ। जिन सांसदों ने इस्तीफा दिया है, उनमें मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से अरुण साव और गोमती

सांध्यप्रकाश विशेष

मप्र के 19 जिले कांग्रेस मुक्त

इंदौर 9 में से 9 , देवास 5 में से 5, राजगढ़ 5में से 5, सिहोर 4 में से 4 , शाजापुर 3मे से 3, विदिशा 5 में से 5 ,सीहोर 4 में से 4 , बुरहानपुर 2 में से 2, खंडवा 4 में से 4, नर्मदापुरम 4 में से 4, बैतूल 5 में से 5, नीमच 3 में से 3, दमोह 4 में से 4 , पन्ना 3 में से 3 , अशोक नगर 3 में से 3 , कटनी 4 में से 4 , नरसिहपुर 4 में से 4 , सिंगरौली 3 में से 3 , शहडोल 3 में से 3 , उमरिया 2 में से 2

राहुल और खड़गे से मुलाकात के बाद कमलनाथ देने जा रहे हैं अध्यक्ष पद से इस्तीफा, घोषणा जल्द

भोपाल। विधानसभा चुनाव में मिली हार पर कांग्रेस में मंथन जारी है। बुधवार को दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इस मीटिंग में राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि कमलनाथ से खड़गे ने हार के कारणों के बारे में पूछा। आलाकमान ने उनसे पीसीसी चीफ के लिए नाम मांगे हैं। इस्तीफा देने या मांगे जाने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। वहीं, खंडवा और बुरहानपुर जिला प्रभारी ने इस्तीफा दे दिया है।

विधानसभा चुनाव में बड़ी हार के बाद कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ मंगलवार को दिल्ली में थे। इससे पहले उन्होंने राज्य के कांग्रेस नेताओं के साथ पार्टी की हार पर समीक्षा बैठक भी की थी। सूत्रों का कहना है कि रात को कमलनाथ की मुलाकात राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई। प्रदेश में पार्टी की हार के बाद पूरी पार्टी में निराशा का माहौल है। दरअसल, सभी को उम्मीद थी कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। इसका बड़ा कारण यह भी बताया जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी के 18 साल के शासन के कारण मध्य प्रदेश में एंटी इनकंबेंसी का माहौल है। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिल सकता है, लेकिन उम्मीद के विपरीत कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पार्टी अपनी सरकार तो नहीं बना सकी, बल्कि इसके उलट 48 सीटों का नुकसान भी कांग्रेस को हो गया। 2018 के विधानसभा चुनाव में जहां मध्य प्रदेश में कांग्रेस की 114 सीटें थीं, वहीं घटकर अब कुल 66 सीटें रह गई हैं। ऐसे में कार्यकर्ताओं से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक बेहद निराशा का माहौल है।

मप्रके बहादुर बेटे दिनेश त्रिपाठी होंगे नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख

मध्य प्रदेश के प्रतिभाशाली और बहादुर सैनिक बेटे वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख होंगे, जो वर्तमान में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ के रूप में कार्यरत हैं। जनवरी 24 से नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख की महत्वपूर्ण भूमिका। टाइगर त्रिपाठी व्हाइट टाइगर्स के क्षेत्र रीवा से हैं, उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल से पूरी की, एनडीए से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1-जुलाई 1985 को कार्यकारी शाखा में नौसेना में कमीशन प्राप्त किया। वह संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने

डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन में कोर्स पूरा किया जहां उन्होंने थिमय्या पदक जीता। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में नेवल वॉर कॉलेज न्यूपोर्ट रोड आइलैंड में भाग लिया और उन्हें रॉबर्ट ई बेटमैन अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्वी बेड़े की कमान के लिए, उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। त्रिपाठी ने एक शीर्ष चित्रकार शशि से शादी की है और वह खुद एक महान गायक हैं! उनका एक बेटा है, एक वकील है।

दीया कुमारी ने उच्च स्तरीय जांच की मांग

जयपुर। दीया कुमारी ने श्री ग्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिन दहाड़े हत्या की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा इस घटना से बिल्कुल स्तब्ध हूं। शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। घटना की कड़ी निंदा करते हुए दीया कुमारी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह घटना प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से असफल रही और ये घटना भी उसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्री सुखदेव सिंह जी के सुरक्षा मांगने पर भी प्रदेश सरकार से उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की। उन्होंने ऐसी घटना का अंदेशा एक इंटरव्यू के दौरान भी जताया था, उसके बावजूद सरकार का ऐसा रवैया बहुत निंदनीय है। राजस्थान में कांग्रेस राज के पांच वर्षों में कानून व्यवस्था ठप और गैंग वार जैसी घटनाएं आम बात हो चुकी है। प्रदेश में न आम आदमी सुरक्षित रहा और न ही महिलाएं। इसका नतीजा कांग्रेस सरकार को इन चुनावों के दौरान मिला, जहां जनता ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

भोपाल में आज बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, महामंत्री हितानंद, विधायक कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, भाजपा मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल आदि मौजद रहे।

तूफान मिचौंग से चेन्नई में तबाही, 72 घंटे से बिजली नहीं, इंटरनेट बंद

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई। बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में 72 घंटे से बिजली नहीं आ रही। इंटरनेट बंद पड़ा है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है। तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हो गई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिसके कारण 17 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएमके स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5060 करोड़ रुपये की सहायता राशि की मांग की है।

डीएमके सांसद के बयान पर संसद में हंगामा, सेंथिल ने माफी मांगी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज यानी 6 दिसंबर को तीसरा दिन है। दिन की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के माफी मांगो के नारे के साथ शुरू हुई। भाजपा ने डीएमके सांसद सेंथिल कुमार से विवादित बयान पर सदन में माफी मांगने को कहा।

जिसके बाद सेंथिल ने लोकसभा में माफी मांग ली। उन्होंने कहा- कल अनजाने में मेरे द्वारा दिए गए बयान से किसी सदस्या या वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। मुझे इसका अफसोस है।

मंगलवार को सेंथिल कुमार ने कहा था कि भाजपा की ताकत केवल हिंदी बेल्ट के उन राज्यों को जीतने में ही है, जिन्हें हम आमतौर पर गोमूत्र राज्य कहते हैं। जिस पर आज सदन में जमकर हंगामा हुआ। सेंथिल के इस बयान को लोकसभा के रिकॉर्ड से हटा दिया गया है।

भाजपा ने सेंथिल के बयान को सनातनी परंपरा का अनादर बताया: केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने सेंथिल के बयान को सनातनी परंपरा का अनादर बताया था। बिहार बीजेपी नेता नवल किशोर यादव ने कहा- हिंदी भाषी राज्यों को गालियां देने वालों को मानसिक इलाज कराने की जरूरत है। उधर, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने उनके बयान से किनारा कर लिया।

सेंथिल कुमार ने मंगलवार को अपने विवादित कमेंट पर सोशल मीडिया पर भी माफी मांग ली थी। ङ्क पर पोस्ट करते हुए सेंथिल ने लिखा- हाल के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए, मैंने एक शब्द का गलत तरीके से इस्तेमाल किया है। उसके लिए मैं माफी मांगता हूं।

गोगामेड़ी की हत्या के खिलाफ आक्रोश, राजस्थान में बंद, मप्र में भी प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में सत्ता की अदला-बदली के समय उस समय हड़कंप मच गया, जब खबर आई कि राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर स्थिति उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। स्कूटी पर सवार होकर आए दो बदमाशों में 15 से ज्यादा गोलियां चलाई। तीन सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं, जिनके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। घटना के विरोध में राजपूत समाज ने आज राजस्थान बंद का आह्वान किया है। पुतले जलाए जा रहे हैं, सड़कों पर जाम लगाया जा रहा है। मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें एक शूटर मकराना का रोहित है, जबकि दूसरा हरियाणा के महेंद्रगढ़ का निवासी नितिन फौजी है। नितिन फौजी ने ही गोगामेड़ी के सिर में गोली मारी थी।

गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को राजस्थान बंद बुलाया गया है। इसी के चलते आज सुबह से ही जयपुर, कोटा, जोधपुर, जैसलमेर, चूरू, बीकानेर और उदयपुर समेत अन्य शहरों में बाजार बंद रहे। कई शहरों की स्कूलों में भी छुट्टी घोषित कर दी गई। इसी के चलते श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की ओर से बंद का आह्वान किया गया था। इस दौरान भीलवाड़ा स्टेशन पर मदार-उदयपुर जाने वाली ट्रेन को फाटक के पास ही रोक दिया गया। इससे ट्रेन करीब 15 मिनट तक खड़ी रही और समझाइश के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। जयपुर शहर में चलने वाली लो-फ्लोर बसों का संचालन बंद करवा दिया गया है।

महापौर ने शुरू कराया न्यू मार्केट में महिला सुलभ शौचालय का संचालन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय ने न्यू मार्केट में महिलाओं की सुविधा के दृष्टिगत नगर निगम भोपाल द्वारा निर्मित महिला सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया और इसका संचालन प्रारंभ कराया। महापौर श्रीमती राय ने निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं की सुविधा के दृष्टिगत महिला सुलभ शौचालय का संचालन व्यवस्थित ढंग से निरंतर किया जाए। इस दौरान निगम के अधिकारी व न्यू मार्केट व्यापारी संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को न्यू मार्केट में नगर निगम भोपाल द्वारा निर्मित कराये गये महिला सुलभ शौचालय का संचालन प्रारंभ कराया। इस दौरान महापौर श्रीमती राय ने निगम अधिकारियों व न्यू मार्केट व्यापारी संघ के पदाधिकारियों से भी चर्चा की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि बहनों की सुविधा के दृष्टिगत निर्मित कराये गये महिला सुलभ शौचालय का संचालन व्यवस्थित ढंग से निरंतर किया जाए। श्रीमती राय ने कहा कि सप्ताह के सातों दिन महिला शौचालय संचालित रहे ताकि यहां आने वाली हमारी बहनों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

छात्राओं के लिए विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कंप्यूटर सांइस विभाग द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अंतर्गत 2 दिसंबर से 5 दिसंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें टेक डिबेट, बेस्ट आउट ऑफ ई-वेस्ट, डिजिटल पोस्टर एवं टेक एंटरप्रेन्योरशिप प्रतियोगिताएं शामिल थी। इस आयोजन के अंतर्गत डिजिटल जागरूकता विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में रितिका प्रधान, को-फाउंडर, एसएसएस टेक्नोलॉजिस भोपाल उपस्थित थी।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करनें के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के बारें में जागरूकता आवश्यक हैं। रितिका प्रधान ने इस कार्यशाला में छात्राओं को डिजिटल साक्षरता के महत्व पर बात करते हुए हैकिंग एवं उससे संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल रूप से जागरूक होना जरूरी है। टेक डिबेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिबा मरियम एवं द्वितीय स्थान भूमिका पंवार, बेस्ट आउट ऑफ ई-वेस्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नफीसा हसन और हावरा हसन एवं द्वितीय स्थान हेमा बावने और पिंकी कुशवाह एवं तुतीय स्थान मोनिका बरगाह और हेमा बरगाह, डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनुश्री नामदेव एवं द्वितीय स्थान तानिया पाटिल और ग्रेसी सिंह एवं टेक एंटरप्रेन्योरशिप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपिका मेवाड़ा, अंजली विश्वकर्मा और महक भील द्वितीय स्थान इफराह अली एवं तृतीय स्थान नफीसा हसन और हावरा हसन ने प्राप्त किया।

निगम की सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर स्पाट फाइन

भोपाल। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता को बेहतर बनाने, पर्यावरण संरक्षण एवं वायु की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार बनाये रखने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वाले एवं पर्यावरण व वायु को प्रदूषित करने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी क्रम ने निगम अमले ने विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 59 प्रकरणों में 16 हजार 700 रूपये की राशि वसूल की। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए के निर्देश पर निगम अमले द्वारा सड़कों व सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी व सीएंडडी वेस्ट सहित अन्य कारणों से साफ सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने व प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों तथा बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार प्रसार सामग्री लगाकर संपत्ति विरूपण करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाकर जोन क्र. 06 के अंतर्गत 06 प्रकरणों में 05 हजार 200 रूपये, जोन क्र. 14 में 30 प्रकरणों में 06 हजार 500 रूपये, जोन क्र. 15 में 12 प्रकरणों में 03 हजार रूपये तथा जोन क्र. 18 के अंतर्गत 11 प्रकरणों में 02 हजार रूपये की राशि स्पाट फाईन के रूप में वसूल की।

21 किलो लड्डू प्रसादी का वितरण

भोपाल। भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत ने बताया कि, विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ प्रांत प्रमुख अधिवक्ता देवेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत, पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने पर भोपाल जिला अदालत प्रांगण श्री हनुमान मंदिर में श्री हनुमान चालीसा पाठ, पूजन कर 21 किलो लड्डू प्रसादी का किया गया वितरण । कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता गण ओपी परासर, हरीश मेहता, बीके सांघी, अश्वनी यादव, ज्ञान नारायण तिवारी, हेमसिंह दांगी, शिरीष श्रीवास्तव, आनंद तिवारी, रवि गोयल, मलखान सिंह ठाकुर, अजय सिंह चौहान, लक्ष्मीकांत शर्मा, अशोक विश्वकर्मा, अनिल गिरी, रोहित पचौरी, सुनीता तिवारी, अजय राय, मंजू सिंह जैन, दीपक शर्मा, बालिस्ता रावत, देवेंद्र सिंह चौहान, कैलाश सोनी एवं सैकड़ों अधिवक्ता गण उपस्थित थे ।

गांधी नगर में तीन दिवसीय संगीतमय श्री हनुमत कथा का होगा आयोजन

संत हिरदाराम नगर। गांधी नगर के संकट मोचन हनुमान मंदिर पर श्री श्री 108 महंत मोहनदास त्यागी रामजी महाराज की ग्यारहवी पुण्य स्मृति में हर साल की तरह इस साल भी संगीतमय तीन दिवसीय भव्य श्री हनुमत कथा का आयोजन होने जा रहा है। 11 से 13 दिसम्बर तक यह आयोजन दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें रामकथा के मर्मज्ञ प्रवक्ता वेंकटेश महाराज चित्रकुट धाम से कथा का रसपान श्रद्धालुओं को करायेंगे। वहीं बाल व्यास निधि किशोरी द्वारा भी कथा में प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन से पहले 10 दिसम्बर को सुबह 10 बजे हनुमान मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी जो प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल पहुंचेगी। इस अवसर पर आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्वालु शामिल होंगे।

बालिस्ता रावत का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

भोपाल। भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत का लाडली बहनों ने केक कटवाकर, आतिशबाजी तथा मिठाई वितरण कर मनाया जन्मदिन । भारतीय जनता पार्टी जिला, मंडल एवं वार्ड पदाधिकारियों ने माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर दी बालिस्ता रावत को जन्मदिन की बधाई ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री की अच्छी नीतियों ने भाजपा को विजयश्री दिलाई: शर्मा

भोपाल। देश के महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनावों में जिस ढंग से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मतदाताओं ने अपने मत का अच्छा उपयोग करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों एवं कार्यक्रमों पर विश्वास करते हुए इस बार विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार को मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार से गठन कराया है, उससे भविष्य में नई ऊर्जा के साथ हर राज्य में इन चुनावों के बाद मनोबल बढ़ेगा। म.प्र. शासकीय अधिकारी/ कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष रघुवीर प्रसाद शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री अमित शाह तथा केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों द्वारा अच्छे प्रयास से तीनों राज्य छत्तीसगढ़, राजस्थान एतं मध्य प्रदेश में स्थाची मजबूत सरकार बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि देश में जिस ढंग से प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और उनके अच्छे कार्यक्रमों को पूर्ण सहयोग किया है। शर्मा ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री ने जिस ढंग से आदिवासी समाज को उन्नति के मार्गदर्शन पर ले जाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए इन तीनों राज्यों में जनजातीय आदिवासियों में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री की गारंटी पर विश्वास करते हुए सही निर्णय लिया है।

आईआईएसईआर के शोधकर्ताओं ने जामुन की जीनोम-सीक्वेंसिंग कर उसके औषधीय गुणों से परिचित कराया

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल (आईआईएसईआर भोपाल) के शोधकर्ताओं ने जामुन के पेड़ का पहला जीनोम सीक्वेंसिंग पूरा किया है, जो भारत में अपने औषधीय गुणों, और फलों के लिए लोकप्रिय है। ेड़ के औषधीय मूल्यों के जीनोमिक और विकासवादी आधार को समझने के लिए शोध टीम ने ऑक्सफोर्ड नैनोपोर और 10× जीनोमिक्स सीक्वेंसिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एस.क्यूमिनी जीनोम को सीक्वेंस किया है। जामुन दुनिया के सबसे बड़े पेड़ जीनस, सिज़िजियम से अनुक्रमित होने वाला सबसे बड़ा जीनोम है।

जैविक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनीत के. शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम में आईआईएसईआर भोपाल से अभिषेक चक्रवर्ती, श्रुति महाजन और मनोहर सिंह बिष्ट भी शामिल रहे हैं। इस शोध के निष्कर्ष को सहकर्मी-समीक्षित जर्नल फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस में प्रकाशित किया गया है। इस शोध के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए आईआईएसईआर भोपाल के जीव विज्ञान विभाग के डॉ. विनीत के शर्मा ने कहा इस शोध का उद्देश्य जामुन जीनोम सीक्वेंसिंग से नई कार्यात्मक और विकासवादी दृष्टिकोण प्राप्त करना था जो इस प्रजाति के औषधीय गुणों के व्यापक उपयोग के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं, यह आधुनिक चिकित्सा में न्यूट्रास्यूटिकल एजेंट्स के रूप में कार्य करते हैं। इस अनुसंधान से प्राप्त दृष्टिकोणों को उजागर करते हुएडॉ. विनीत के. शर्मा ने कहा कुल मिलाकर यह स्पष्ट है कि एस क्यूमिनी प्रजाति में पौधों के मुख्य सेकेंडरी मेटाबोलिज्म का आदर्श संवेग असाधारण रूप से इस पेड़ के एंटीडायबेटिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इन्फ्लेमेटरी, और अन्य औषधीय गुणों को प्रदान करता है।

क्राइस्ट मेमोरियल को. एड.सी.से. स्कूल का 49 वां स्थापना दिवस मनाया

संत हिरदाराम नगर। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 5 दिसंबर को क्राईस्ट मेमोरियल को.एड.सी.से स्कूल बैरागढ़ का 49 वां स्थापना दिवस गौरवपूर्ण मनाया गया। एक छोटा सा पैधा लगाने वाले इस स्कूल के संस्थापक दिवंगत डॉ.डेनियल मैथ्यूज़ जो हमारे बीच नहीं रहे, वही पौधा आज विषाल वट वृक्ष बन चुका है एवं इसकी शाखाएँ गांधीनगर क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल, लालघाटी क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल एवं ग्लोरियस किंडरगार्टन के नाम से अपनी जड़ें फैला चुका है। क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल बैरागढ़ की नींव रखने वाले स्वर्गीय डॉ. डेनियल मैथ्यूज़ का जन्म दिवस 5 दिसंबर है वे सदा हमारे बीच हमारी यादों में रहे इसलिए इस दिन को विद्यालय के स्थापना दिवस के तौर पर मनाया जाता है। सन् 1974 में स्कूल की शुरूआत केवल तीन कमरों से की गई थी और वर्तमान समय में यह विद्यालय ऊँचाईयों के षिखर पर पहुँच चुका है और आगे प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है।विद्यालय के संचालक महोदय डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जिन्होंने अपने पिता से प्रेरणा पाकर विद्यालय को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाया। यह विद्यालय सदा प्रगति की ओर अग्रसर रहे, यही इनका ध्यये है। विद्यालय के 49 वे स्थापना दिवस के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अविनाष षर्मा ए.सी.पी. मंत्रालय भोपाल, विषेष अतिथि के रूप में श्री आसूदोमल लछवानी बैरागढ़ के एक समाजसेवी हैं एवं भेल से (ठण्भ्ण्म्ण्स्) से रिटायर्ड है एवं रचनाकर अकादमी नागपुर द्वारा इन्हें राजीव गांधी नेषनल अवार्ड से सम्मानित किया गया है एवं श्री जितेंद्र सिरोठिया डायरेक्टर लिटिल किंगडम स्कूल, साथ ही स्कूल के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़, प्राचार्य श्री परमेनद्र दरयानी, उपप्राचार्या सुश्री रीना मंडलोई, षिक्षकगण, छात्रागण एव अभिभावक गण कार्यक्रम में उपस्थित थे। सभी अतिथियों का पुष्प गुछ एवं शॉल से स्वागत किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, जिनमें छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर नृत्य, संगीत, भाषण आदि की प्रस्तुति सराहनीय रही। मुख्य अतिथि डॉ. अविनाष षर्मा के वकतव्य- ''एक छोटे से बच्चे के जीवन को संवारने एवं उसे सही राह पर मार्ग प्रषस्तिकरण में एक प्रायमरी षिक्षक का बड़ा योगदान होता है इसलिए षिक्षकों का सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण है।'' विषेष अतिथि श्री आसूदोमल लछवानी जी के वकतव्य- ''जो भी काम मिले कभी ना नहीं करें क्योंकि ईष्वर की आज्ञा से ही अच्छे कार्य करने के लिए हमें चुना गया है।'' लछवानी जी नवयुवक परिषद के संस्थापक हैं एवं निर्धन बच्चों की षिक्षा में नवयुवक परिषद बैरागढ़ का विषेष योगदान रहा।

स्थापना दिवस एवं अपने पिता के जन्मदिन के उपलक्ष में डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ महोदय ने लालघाटी, गांधीनगर, किंडरगार्टन, बैरागढ़ स्कूल शाखाओं के सभी षिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित किया । क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल बैरागढ़ की होनहार छात्रा जया डेटानी जो अब हमारे बीच नहीं रही, प्रत्येक वर्ष उनके परिवार की ओर से स्कूल के होनकार बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की षिक्षिका श्रीमती रेखा ब्रिगोडिया ने स्कूल के संस्थापक स्व. डॉ. डेनियल मैथ्यूज़ जी के जीवन से जुड़ी यादों को सभी छात्रों तथा षिक्षकों से अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन स्कूल की षिक्षिका श्रीमती पिंकी दादलानी एवं श्रीमती सिमरन हासानी ने किया। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन में सभी के अपार सहयोग के लिए सभी छात्रगण, षिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्यों का स्कूल की षिक्षिका श्रीमती बबीता मेहता द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री परमेंद्र दरयानी जी , उपप्राचार्या सुश्री रीना मंडलाई द्वारा विद्यालय के 49 वें स्थापना दिवस की षुभकामनाएँ प्रेषित की।श

भोपाल। राजधानी में बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्य तिथि पर अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष पहुंच कर नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, विधायक फूल सिंह बरैया आदि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राज्यपाल से भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी मिले

विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंपी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन और भारत निर्वाचन आयोग के सचिव अमित कुमार ने राजभवन में आज भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल को अधिकारी द्वय द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचना सौपी गई। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का आयोग के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। श्री पटेल को आयोग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, भारत निर्वाचन आयोग के अवर सचिव श्री प्रफुल्ल अवस्थी, अधिकारी और पदाधिकारीगण मौजूद थे।

भोपाल में 3 दिन में 9.2 डिग्री लुढ़का टेम्प्रेचर-सीजन का सबसे सर्द रहा दिन, पारा 20.6 डिग्री; आज भी ऐसा ही मौसम

भोपाल राजधानी भोपाल में इन दिनों मौसम सर्द बना हुआ है। सर्द हवाओं से ठिठुरन और भी बढ़ गई है। मंगलवार को दिन में टेम्प्रेचर 20.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सीजन का सबसे कम था। 3 दिन में पारे में 9.2 डिग्री गिरावट हुई, जबकि 24 घंटे में यह 4.3 डिग्री लुढ़क गया। बुधवार को भी मौसम ऐसा ही रहेगा। सुबह कोहरा भी छाएगा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एचएस पांडे ने बताया कि तूफान %मिचौंग% की वजह से मौसम ऐसा है। बुधवार दोपहर बाद मौसम साफ हो सकता है। वहीं, गुरुवार से धूप निकल सकती है। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि 10-11 दिसंबर को फिर से मौसम में बदलाव होगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से ऐसा होने का अनुमान है।

10 दिन से बारिश, बादल वाला मौसम: शहर में 26 नवंबर से बारिश की शुरुआत हो गई, जो 3 दिसंबर तक जारी रही। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोप), चक्रवात और ट्रफ लाइन से बना सिस्टम कमजोर पड़ने से मौसम साफ हो गया था। इससे दिन का पारा 29.8 डिग्री तक पहुंच गया था। हालांकि, रात में फिर से मौसम बदल गया और सोमवार को मौसम बदल गया। दिनभर बादल छाए रहे। वहीं, ठंडी हवाएं भी चलने लगी। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहा।

रात में भी पारे में गिरावट: दिन में जहां पारा 20.6 डिग्री तक आ गया है तो रात के तापमान में भी 1.2 डिग्री की गिरावट हुई है। सोमवार-मंगलवार की रात तापमान 17.5 डिग्री रहा। इस हिसाब से दिन-रात के तापमान में 3.1 डिग्री का ही अंतर है। नमी की वजह से रात के टेम्प्रेचर में ज्यादा गिरावट नहीं हो रही है। हालांकि, बुधवार रात से न्यूनतम तापमान में भी कमी आने लगेगी।

रेलवे ने निरस्त की 4 ट्रेने, गरीबरथ एक्सप्रेस भी शामिल

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग एवं वर्तमान आरआरआई में परिवर्तन का कार्य किए जाने के चलते कुछ 4 ट्रेनों को निरस्त करने का निर्णय रेलवे ने लिया है। इसमें गाड़ी संख्या 12183 भोपाल-मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ एक्सप्रेस 15 एवं 17 दिसंबर को तथा गाड़ी संख्या 12184 मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़-भोपाल एक्सप्रेस 16 एवं 18 दिसंबर को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12593 लखनऊ जंक्शन-भोपाल गरीबरथ एक्सप्रेस 16 दिसंबर को तथा गाड़ी संख्या 12594 भोपाल-लखनऊ जंक्शन गरीबरथ एक्सप्रेस 17 दिसंबर 2023 को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

संभागायुक्त ने इज्तिमा स्थल पर ली बैठक, सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संभाग आयुक्त भोपाल डॉ. पवन शर्मा ने मंगलवार को इज्तिमा स्थल पर नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के लिये संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आई जी अभय सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह और पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा सहित इज्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने नगर निगम के अमले को साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति के साथ फायर सेफ्टी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने फायर सेफ्टी ऑफीसर को तत्काल रिहर्सल करने और अग्नि शमन वाहनों की संख्या बढ़ाने के साथ ही संपूर्ण उपकरण तैयार रखने के लिए कहा है। उन्होने हाइटेंट प्वाइंट बढ़ाने और अग्नि शमन वाहनों के अलावा मोटर साइकल पर भी अग्नि शमन व्यवस्था करने और वाहनों के आने जाने के रास्तों का पूर्ण प्लान बनाकर कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर को प्रस्तुत करने के आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए है।

संभाग आयुक्त डॉ. शर्मा ने चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की । इज्तिमा समिति के सदस्यों ने बताया कि स्थानीय स्तर पर भी आस-पास के लगभग 20 अस्पताल भी अपनी सेवाएं देते हैं। डॉ. शर्मा ने सी एम एच ओं को निर्देश दिए हैं कि बड़ी संख्या में जमातों के सम्मिलित होने के दृष्टिगत हमीदिया चिकित्सालय में आवश्यकता पड़ने पर बेड आदि सुरक्षित रखें तथा एम्बुलेंस की संख्या भी बढ़ाएं तथा चलित चिकित्सालय, स्ट्रेचर के अतिरिक्त चलित चिकित्सालय के साथ ही पेरामेडीकल स्टाफ की व्यवस्था भी रखें। डॉ. शर्मा ने नगर निगम को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए तथा एस टी पी का निरीक्षण भी किया। उन्होंने विद्युत मंडल के अधिकारियों को भी नीचे लटके हुए तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए । उन्होंने जिला और पुलिस प्रशासन के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कम्यूनिकेशन प्लान बनाने के लिए भी कहा है।

रैन बसेरा में रहने वाले नागरिकों की सेहत की होगी जांच

मुख्यमंत्री ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और सर्दी से बचाव के लिसे गरम वस्त्र के साथ ही अलाव के इंतजाम देखे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजधानी के दो रैन बसेरों में नागरिकों के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने आज रात्रि पहले यादगार ए शाहजहांनी पार्क के पास स्थित रैन बसेरे पहुँचकर वहाँ की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ रह रहे नागरिकों से रहवास व्यवस्था और सर्दी से बचाव के लिए गरम कपड़ों की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। रैन बसेरा पहुँचने पर वहाँ के रहवासियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का मामा-मामा कह कर हर्ष-ध्वनि से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल शहर सहित प्रदेश के अन्य नगरों के रैन बसेरों में रह रहे नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होगी। बड़े शहरों में कार्य के लिए आने वाले नागरिक दिन में व्यस्त रहते हैं इसलिए रात्रि के समय डॉक्टर्स टीम स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आएगी। सामान्य रोगों सहित गंभीर रोगों की पहचान होने पर उपचार की व्यवस्था जरूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैन बसेरे के निकट अलाव और लकड़ियों का प्रबंध कर नागरिकों को शीत से बचाने की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सागर के भूपेंद्र साहू, होशंगाबाद के दशरथ प्रसाद, जबलपुर के दीपक, भोपाल के सुरेंद्र शर्मा और ललितपुर (उत्तरप्रदेश) के बाबूलाल कुशवाहा से चर्चा कर इंतजामों की जानकारी ली। यहां मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन को चख कर, गुणवत्ता भी देखी। रैन बसेरे में करीब 400 बिस्तर क्षमता है। आज यहाँ लगभग 200 नागरिक रह रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हमीदिया चिकित्सालय परिसर में स्थित रैन बसेरे का अवलोकन किया और नागरिकों के लिए बिस्तर, गरम कपड़ों और भोजन की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों से बातचीत भी की। नरसिंहपुर जिले के श्री दलपत सिंह यादव और भोपाल के सोनू ने बताया कि उन्हें रैन बसेरे में जरूरी सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं। हमीदिया अस्पताल के इस रैन बसेरे में प्रेरणा सेवा ट्रस्ट से भी भोजन व्यवस्था में सहयोग प्राप्त होता है। कुल 66 बिस्तर क्षमता के रैन बसेरे में आज 23 नागरिक व्यवस्थाओं का लाभ ले रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देश, स्कूल डायरी में दर्ज की जाए पल्स पोलियो की तारीख

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पल्स पोलियो अभियान, सांस अभियान सोशल अवेयरनेस एंड एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुली और राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए जिला टास्क फोर्स बैठक का आयोजन मंगलवार को कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह की अध्यक्षता में किया गया ।

बैठक में 10 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले पल्स पोलियो अभियान के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया गया। बाल्यकालीन निमोनिया के लिए आयोजित किए जा रहे सांस अभियान और जलवायु परिवर्तन के बारे में भी बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि भारत वर्ष 2011 से पोलियो मुक्त है। मध्यप्रदेश में 2008 के बाद से पोलियो का कोई केस नहीं आया है। भोपाल जिले में 2003 के बाद से कोई भी नया केस नहीं पाया गया है। पड़ोसी देशों में टाइप वन वाइल्ड पोलियो वायरस अभी भी एक्टिव है। इसलिए हर अभियान के दौरान पोलियों की दवा का पिलाना जरूरी है। अभियान के तहत भोपाल के 3 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। टास्क फोर्स बैठक में अंतर विभागीय समन्वय, मानव संसाधन की उपलब्धता एवं जनजागरूकता के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

कलेक्टर सिंह द्वारा स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग , शिक्षा विभाग, नगर निगम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग , नर्सिंग कॉलेज एवं गैर सरकारी संगठनों के समन्वय से कार्य किए जाने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को बच्चों की स्कूल डायरी में पोलियो की तारीख को अंकित करवाए जाने के निर्देश दिए। नगर निगम के वाहनों से पल्स पोलियो जागरूकता के जिंगल प्रसारित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर द्वारा एसडीएम की अध्यक्षता में ब्लॉक टास्क फोर्स बैठक आयोजित करने और अभियान के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ पोलियो बूथ एवं घर घर भ्रमण किए जाने पर निर्देश दिए गए।

एम्स में फ्रेशर्स डे का भव्य आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के 2023 बैच में एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग के प्रथम वर्ष के छात्रों ने 5 दिसंबर, 2023 को सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन एम्स भोपाल के एलटी 4 में फ्रेशर्स डे मनाया।

छात्रों ने नृत्य और संगीत जैसी कला की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए डीन छात्र कल्याण, डॉ. बालाकृष्णन एस, एसोसिएट डीन छात्र कल्याण, डॉ. मनमोहन पटेल, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. अरनीत अरोड़ा और विभिन्न विभागों के प्रमुख और संकाय उपस्थित थे। फ्रेशर्स पार्टी में विद्यार्थियों का संस्थान में स्वागत किया गया। समारोह का आयोजन कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

छात्रों के नए बैच को नियमानुसार छात्रावास और संस्थान परिसर की सभी सुविधाओं का लाभ उठाने की अनुमति होगी।

स्वास्थ्य देखभाल में करुणा का पोषण

फंगेटिंग कैंसर पर एम्स में हुआ व्याख्यान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नर्सिंग कॉलेज, एम्स भोपाल ने फंगेटिंग कैंसर एंड मैलोडोर एंड वोकेशनल चॉइसेस पर एक अतिथि व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। व्याख्यान प्रो. (डॉ.) रीना जॉर्ज द्वारा दिया गया जो कि भारत में प्रशामक देखभाल के अग्रणी में से एक हैं और वर्तमान में सीएमसी वेल्लोर के सतत चिकित्सा शिक्षा विभाग का नेतृत्व कर रही हैं। सत्र का उद्घाटन करते हुए, एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने नर्सों सहित स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच दयालु रोगी देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एम्स भोपाल में रोगी देखभाल में सुधार के लिए संस्थान स्तर पर की गई विभिन्न पहलों पर जोर दिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों और कर्मचारियों को दृणता और प्रतिबद्धता के साथ संस्थागत लोकाचार का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस संबंध में, दयालु रोगी देखभाल और प्रभावी संचार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रोफेसर डॉ. रीना जॉर्ज

ने अपने व्याख्यान में अल्सरेटिव एडवांस्ड कैंसर में घावों और दुर्गंध के कष्टदायक लक्षणों के नर्सिंग और चिकित्सा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मरीजों की अधूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रेरणा और प्रतिबद्धता बनाए रखने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। ऐसी समग्र देखभाल प्रदान करने में परिवार और समुदाय की भागीदारी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 卐करुण्य卐 पहल के तहत, एम्स भोपाल ने दयालु रोगी देखभाल में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की हैं। सत्र में नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग अधिकारियों, नर्सिंग और चिकित्सा संकायों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान उप निदेशक (प्रशासन) कर्नल अजीत कुमार, एसोसिएट डीन (नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य) डॉ सैकत दास, एसोसिएट डीन (अकादमिक) प्रोफेसर अश्विनी टंडन उपस्थित थे।

संपादकीय

आंकड़ों की चुनौती

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानि एनसीआरबी के आकड़ा के मुताबिक 2022 में मप्र में दुष्कर्म के मामले घटे हैं और यह दूसरे से खिसककर तीसरे पायदान पर आ गया है, लेकिन, भोपाल-इंदौर जैसे बड़े शहरों में महिलाएं अभी भी सुरक्षित नहीं हैं। साल दर साल ये आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन यदि हम इसके लिए केवल सरकार पर दोष मढ़ें, तो ये भी उचित नहीं कहा जा सकता। कहीं न कहीं हमें इन मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श तो करना ही होगा।

पहले एनसीआरबी के आंकड़ों की बात करते हैं। जो आंकड़े आए हैं, हमारे शहरों के लिए चौंकाने वाले हैं। 2022 में भोपाल कमिश्नरेट में दुष्कर्म के सबसे अधिक 393 केस दर्ज किए गए। दूसरे नंबर पर इंदौर रहा। यहां 359 मामले दर्ज हुए। जबलपुर में 249, धार में 245 और ग्वालियर में 235 केस दर्ज हुए हैं। पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के मुताबिक नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामलों में प्रदेश में इंदौर सबसे आगे है, जो हमारे राज्य का सबसे बड़ा शहर है और व्यावसायिक भी। यहां ऐसे 684 केस दर्ज किए। धार जिले में नाबालिगों के अपहरण के 514 केस दर्ज किए गए। इस मामले में राजधानी भोपाल 472 मामलों के साथ तीसरे नंबर पर रही। धार में नाबालिग बच्चियों से यौन शोषण के सर्वाधिक 225 केस दर्ज हुए।

प्रदेश में दुष्कर्म, नाबालिगों के अपहरण और पॉक्सो के सबसे कम केस श्योपुर में सामने आए। यहां दुष्कर्म के सिर्फ 20 मामले दर्ज हुए, जबकि पॉक्सो का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। नाबालिगों के अपहरण के 26 मामले दर्ज हुए। यहां पॉक्सो का एक भी केस नहीं दर्ज हुआ। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक देश में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में मप्र देश में दूसरे नंबर पर है। यहां होने वाले अपराधों की दर सबसे अधिक 71 प्रतिशत है।

वर्ष 2021 में पॉक्सो के मामलों में मप्र देश में पहले नंबर पर था। अब तीसरे नंबर पर है। 2022 में यहां 5,996 केस दर्ज किए गए। धार में इस तरह के सर्वाधिक 225 प्रकरण दर्ज हुए। 216 मामलों के साथ खरगोन दूसरे और 209 मामलों के साथ इंदौर तीसरे नंबर पर रहा। जबलपुर में 176 और भोपाल में पॉक्सो के 173 मामले दर्ज हुए।

पिछले साल मप्र से बच्चियों के अपहरण के 10103 केस दर्ज किए गए। 2021 के 3001 मामले लंबित थे। 2022 में 10168 की सुरक्षित बरामदगी की गई। 2958 की तलाश जारी है। 2022 में 571 बेटों और 2620 बेटियों को बरामद किया गया। मप्र में 2022 में 15,386 लोगों ने, जबकि 2021 में 14,965 ने आत्महत्या की थी। यानी एक साल में यह मामले 2.8 प्रतिशत बढ़े हैं। हालांकि 2021 की तुलना में भोपाल, इंदौर और जबलपुर में आत्महत्या के आंकड़ों में घटे हैं, जबकि इंदौर में 1.2 प्रतिशत बढ़े हैं।

सवाल तो उठेगा ही कि हमारे प्रदेश में जिस तेजी से महिलाओं के लिए योजनाएं लाई जा रही हैं, उन्हें सशक्त बनाने के प्रयासों के दावे भी किए जा रहे हैं, परंतु कहीं न कहीं अपराध और विशेषकर यौन हिंसा के मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। सरकार की तरफ से पुलिस है और उसकी कार्यप्रणाली सबको मालूम है। हालांकि यह भी सही है कि पुलिस की कार्यप्रणाली सुधारने के लिए काफी प्रयास हुए हैं और चल भी रहे हैं, लेकिन व्यावहारिक तौर पर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

यह भी कहा जा सकता है कि पुलिस भी तो हमारे समाज का ही एक हिस्सा है। तो सबसे पहले हमें अपने समाज के वर्तमान हालात की समीक्षा करनी होगी। हम सामाजिक न्याय की बात करते हैं, वहां केवल और केवल जातिगत न्याय की बात होती है। हमारी जाति-तुम्हारी जाति, हमारा समाज-तुम्हारा समाज। हम इसी में बंटे हुए हैं। हमें आरक्षण नहीं मिल रहा है, तो क्यों नहीं मिल रहा? जिन्हें मिल रहा है, उन्हें और चाहिए। इस तरह की बातें ज्यादा होती हैं। ठीक है, ये भी होना चाहिए। अधिकारों की बात होना चाहिए।

परंतु जो लोग जातिगत अधिकारों की बात करते हैं, क्या उन्हें सामाजिक व्यवस्थाओं की, समाज में आ रही बुराइयों की बात नहीं करना चाहिए? क्या हमें इस पर विचार नहीं करना चाहिए कि दुष्कर्म के मामले क्यों बढ़ रहे हैं? महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा क्या हमारे सामाजिक संगठनों की सूची में सबसे पहला नहीं होना चाहिए? जब हम महिलाओं को हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व देने की बात करते हैं, तो यह मुद्दा प्राथमिकता में क्यों नहीं? जो महिलाएं जन प्रतिनिधि के तौर पर और प्रशासन में उच्च स्तर पर पहुंचती हैं, क्या इस मामले में वो भी उतनी ही गंभीर हैं? सवाल तो उठेगा ही और समाज के हर हिस्से पर उठेगा। हमें आंकड़ों को लेकर केवल चिंता या सरकार पर आरोप लगाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं करना चाहिए। हमारे यहां होता भी यही है। अपनी भूमिकाएं तो तय हकरनी ही होंगी। अपने अधिकारों के साथ ही अपने कर्तव्यों और अपने चरित्र की समीक्षा, अपने कार्यकलापों की समीक्षा करें। हम सुधरेंगे, तभी जग सुधरेगा। दूसरों को सुधारने, प्रवचन देने से कुछ नहीं होगा।

शिवराजसिंह चौहान ही होंगे मुख्यमंत्री..!

जयराम शुक्ल

मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? फिलहाल यह सवाल हरेक की जुबान पर है, कांग्रेसियों की जुबान पर भी। श्री चौहान मजे से भोपाल में हैं, अपने परिजनों को वक्त दे रहे हैं, लाड़ली बहनों के साथ भोजन का स्वाद ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तीन नेता सबसे सक्रिय हैं- प्रह्लाद सिंह पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और वीडी शर्मा। ये तीनों दिल्ली में हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ है। लिहाजा श्री पटेल और श्री शर्मा का वहां होना और शीर्ष नेताओं से मिलना लाजमी है। कैलाश विजयवर्गीय पार्टी के महासचिव है और पार्टी द्वारा बुलाई गई महासचिवों की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली में है। लिहाजा उनकी भी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मेल मुलाकात हो रही है।

श्री प्रहलाद पटेल ने पत्रकारों से बातचीत की लेकिन कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के आरोपों के संदर्भ में। कैलाश विजयवर्गीय का कहना हैं कि मध्यप्रदेश की विजय में सिर्फ मोदी इफेक्ट है। यह इसलिए क्योंकि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में लाड़ली बहना योजना नहीं थी फिर भी भाजपा जीती। श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्यप्रदेश में जीत का श्रेय श्री मोदी की करिश्माई छवि, श्री शाह की रणनीति, श्री नड्डा के नेतृत्व के साथ श्री चौहान की अथक मेहनत और लाड़ली बहना समेत अन्य योजनाओं को दिया है।

श्री शिवराजसिंह चौहान सत्ता को लेकर वीतरागी बने हुए हैं। आज का उनका वक्तव्य चर्चाओं में हैं कि वे न तो कभी मुख्यमंत्री की रेस में थे और न आज हैं, पार्टी जो दायित्व सौंपेगी उसका निर्वहन परिश्रम की पराकाष्ठा के साथ करेंगे। यह तो रही सीधी बात, पर अनुषांगिक बात यह कि चुनाव परिणाम के बाद से प्रतिदिन वे ऐसा कुछ न कुछ करते हैं कि 'लाड़ली बहना' चर्चाओं के केंद्र में बनी रहें।

अब पर्दे के पीछे कई वास्तविकता जानिए। मध्यप्रदेश की जीत को लेकर सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर फीडबैक मांगे गए हैं। मीडिया में छपी रिपोर्ट के विश्लेषण आ रहे हैं। जिन सूत्रों के इनपुट की वजह से मैं मतदान पूर्व आश्वस्त रहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है, उन्हीं सूत्रों का अब कहना है कि केन्द्रीय नेतृत्व के समक्ष फिलहाल शिवराजसिंह चौहान का कोई विकल्प नहीं, वे पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सूत्रों ने इस संदर्भ में जो तर्क और तथ्य दिए उससे शीर्ष नेतृत्व भी इत्तेफाक रखता है!

1- मध्यप्रदेश में विजय 'लाड़ली बहना' की वजह से मिली लेकिने मोदी ने उसे और प्रचंड बना दिया। यानी कि इस 'प्रचंड विजय' में मोदी 'प्रचंड' हैं तो चौहान 'विजय'!

2- छत्तीसगढ़ और राजस्थान की जीत का मध्यप्रदेश की प्रचंडता से कोई मेल नहीं क्योंकि वहां लाड़ली बहना फैक्टर नहीं था।

3- मध्यप्रदेश में महिलाओं और बेटियों की शिवराजसिंह चौहान के साथ सीधे भाई व मामा के तौर पर बाडिंग बन चुकी है। मोदी का प्रभाव समग्रता में वैसे ही इन पर है जितना कि किसी सामान्य नागरिक पर।

4- तीन महीने बाद ही लोकसभा के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी ऐसे में शीर्ष नेतृत्व कदापि न चाहेगा कि शिवराज सिंह चौहान की प्रदेश के विशाल लाभार्थी वर्ग के साथ जो केमेस्ट्री बनी है वह बिगड़े।

5- मोदी, शाह और योगी के बाद भाजपा में चौहान तीसरे ऐसे नेता हैं जिनके नाम से सभाओं में जनता पहुंचती है।

6- और अब सौ की सीधी बात यह कि विधायकों से यदि रायशुमारी की गई तो सबसे बड़ा संख्या बल शिवराजसिंह चौहान के पक्ष में ही रहेगा। चुनावी वर्ष में शीर्ष नेतृत्व अपनी ओर से मुख्यमंत्री थोपने का जोखिम मोल नहीं लेगा। क्योंकि इसी आरोप के साथ वह अब तक कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करता रहा है।

भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के काम करने के तरीके पर नजर रखने वाले एक विश्लेषक से मैंने सीधे यह सवाल पूछा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री पद की शपथ कौन लेने लगा रहा है? तीन शब्दों में जवाब था- शिवराज सिंह चौहान!

मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? यह सवाल मध्यप्रदेश की साढ़े नौ करोड़ जनता के जेहन में है। इस बीच शिवराज सिंह चौहान का एक वाक्य मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा बहुत सारे संकेत दे रहा है। भले ही यह बात उन्होंने दिल्ली जाने के सहज सवाल पर कही हो। पर इससे सीधा संदेश यही मिल रहा है कि मुख्यमंत्री के रूप में वह पांचवी बार शपथ लेकर मध्यप्रदेश की साढ़े नौ करोड़ जनता की सेवा को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं। खास तौर से ऐसे समय में जब मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अगले मुख्यमंत्री के नामों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व की बैठकों का दौर चल रहा हो। और खास तौर से तब भी जब कैलाश विजयवर्गीय सहित मध्यप्रदेश के दिग्गज नेता यह बात मानने को कतई तैयार न हों कि 2023 की जीत में लाड़ली बहना योजना की भूमिका अहम रही है। और शायद एक ही दिन में शिवराज सिंह चौहान ने वह सारे संकेत? अपनी सहज, सरल और विनम्र शैली में दे दिए हैं, जो कि वह दे सकते थे। 5 दिसंबर को ही शिवराज ने लाड़ली बहनों के बीच पहुंचकर यह जता दिया है कि मध्यप्रदेश में बड़ी जीत का आधार उनकी लाड़ली बहना योजना ही है, इस बात को कतई नकारा नहीं जा सकता। भले ही मध्यप्रदेश के बड़े

नेता इसको लेकर कुछ भी वक्तव्य देकर नकारने की कोशिश करते रहें। और शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाते अपनी आगामी संकल्प और प्राथमिकताएं भी तय कर उन पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। इसकी ही एक झलक है शिवराज का 6 दिसंबर का छिंदवाड़ा का दौरा। जैसा कि खुद शिवराज ने 5 दिसंबर को कहा कि मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा। कल मैं जा रहा हूं छिंदवाड़ा, वहां हम सातों विधानसभाओं की सीटें नहीं जीत पाए।मेरा एक संकल्प है 29 की 29 सीटें मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी जीते और श्रीमान नरेंद्र मोदी जी हमारे प्रधानमंत्री जी, जो हमारे नेता हैं उनके गले में 29 कमल की माला डालकर संपूर्ण बहुमत यहां पर भारतीय जनता पार्टी की मिले और वह फिर से भारत के प्रधानमंत्री बनें।

तो यह भी देखते हैं कि 5 दिसंबर को शिवराज ने विस्तार से क्या-क्या कहा। लाड़ली बहनों के बीच पहुंचकर कहा कि मेरी लाड़ली बहनाओं, आपने जो आशीर्वाद, स्नेह और प्रेम दिया वो अद्भुत है। अभूतपूर्व समर्थन आपने दिया है, बहनों मैं आभारी हूं। आपके भाई की सदैव ये कोशिश रहेगी कि आपकी जिंदगी में कोई कठिनाई न रहे, कोई काटा ना रहे।महिला सशक्तिकरण के लिए जब तक मेरी सांस रहेगी, मैं काम करता रहूंगा। मेरी बहनों फिर से 10 तारीख आ रही है।लाड़ली बहन की राशि अब आपके खाते में फिर डाली जाएगी। जो कहा है कि क्रमशः बढ़ाते-बढ़ाते इसको 3000 तक ले जाएंगे, यह संकल्प पूरा करेंगे। आपकी जिंदगी खुशियों से भरी रहे, यही भाई की इच्छा है।

यानि कि एक बात साफ है कि मध्यप्रदेश के संदर्भ में यही नरेटिव सही है कि लाड़ली बहनों ने भाजपा सरकार बनाकर भैया शिवराज को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए आशीर्वाद दिया है। और इसकी तुलना राजस्थान और छत्तीसगढ़ से कर यह नरेटिव कतई सेट नहीं किया जा सकता कि लाड़ली बहना योजना की मध्यप्रदेश की जीत में कोई भूमिका नहीं है। तो मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज ने काम की शुरुआत भी करते हुए राजगढ़ जिले के पिपलिया रसोड़ा गांव के बोरवेल में गिरी बच्ची का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की टीम को रवाना होने के निर्देश दिए।

तो कैलाश विजयवर्गीय और नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल ने केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर ली है। एक और वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करने दिल्ली रवाना हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की है। और सबसे बड़ी खबर यह चर्चा में है कि प्रधानमंत्री निवास पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की अहम बैठक हुई और सूत्रों के अनुसार तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री चयन खास मुद्दा है। तीन राज्यों में नियुक्त होने वाले पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के नाम भी अहम बैठक का हिस्सा रहा। ऐसे में मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सक्रियता बहुत कुछ साफ संकेत दे रही है।

चुनावों का सेमीफ़ाइनल

एनके त्रिपाठी

पाँच राज्यों में विधानसभा के चुनावों को 2024 के आम चुनावों का सेमीफ़ाइनल माना जा रहा था। 2018 के विधानसभा के चुनावों में बीजेपी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तीनों हिंदी राज्यों में हार गई थी। फिर भी आश्चर्यजनक रूप से 2019 के आम चुनाव में भाजपा और बढ़े बहुमत के साथ विजयी हुई। इस बार उसके लिए स्थिति और अनुकूल है।

वर्तमान चुनाव परिणाम पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जहाँ भाजपा के लिए ये चुनाव महत्वपूर्ण है, वहीं कांग्रेस के लिए तो ये अस्तित्व की लड़ाई थे। इन चुनावों के परिणामों में इंडी अलायंस के बाक़ी सभी घटकों की भी अपने हितों के कारण बहुत रुचि है। बीजेपी ने इन चुनाव परिणामों से यह स्पष्ट कर दिया है कि हिंदी पट्टी में कांग्रेस उसके लिए कोई चुनौती नहीं रह गई है। इन तीन राज्यों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बीजेपी को चुनौती देना पहले की तुलना में और कठिन हो गया है। कांग्रेस नेतृत्व में हताशा की भावना हो जाना स्वाभाविक है। अपने परिवार केंद्रित नेतृत्व के कारण उसमें ऊर्जा के संचार के विकल्प भी कम है। कांग्रेस ने विधानसभा के चुनावों में जातिगत जनगणना की माँग पहली बार उठा कर ओबीसी कार्ड खेलने का प्रयास किया जो विफल रहा है।बीजेपी ने सभी गरीबों के कल्याण की बात कर के ओबीसी, आदिवासी एवं अनुसूचित जातियों में अपनी पैठ और गहरी कर ली है।

सवर्ण वर्ग में बीजेपी के लिए समर्थन यथावत बना हुआ है। मोदी द्वारा गरीबों की एक जाति बता कर उसके कल्याण के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की गारंटी देना जनमानस में बहुत प्रभावी रहा है। छत्तीसगढ़ की अप्रत्याशित विजय को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। लोक जनकल्याणकारी कार्यक्रम का स्थान फ़्रीबीज़ की घोषणाएँ नहीं ले सकती है। कांग्रेस को अपनी आगामी रणनीति इन जातिवादी विभाजनकारी नीतियों को छोड़कर, जो कभी भी उसकी नीतियों में नहीं रही हैं, एक युवा नेतृत्व के साथ सकारात्मक एजेंडे पर बनानी होगी।

इन चुनावों में कांग्रेस को तेलंगाना में भारी समर्थन मिला है। कर्नाटक की विजय के उपरांत दस साल पूर्व बने तेलंगाना में अपनी पकड़ बना कर उसने दक्षिण भारत में अपनी शक्ति बता दी है। कांग्रेस के लिए तेलंगाना जीतना अपेक्षाकृत आसान था क्योंकि केसीआर सरकार विभिन्न कारणों से अलोकप्रिय हो गई थी। फिर भी यहाँ कांग्रेस की जीत उत्तरी राज्यों की तुलना में राष्ट्रीय राजनीति के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। निश्चित रूप से उसके लिए यह एक संतोष की बात है कि तेलंगाना में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस का हाथ पकड़ा है और इसका असर उत्तर भारत में भी पड़ सकता है।

इससे कांग्रेस के उन सहयोगी दलों के कान खड़े हो गए हैं जो मुस्लिम वोटबैंक पर निर्भर है। दक्षिण भारत बीजेपी के लिए अभी भी एक पहेली है, फिर भी कर्नाटक में बीजेपी का वोट बैंक बरकरार है तथा तेलंगाना में भी उसने मामूली बढ़त प्राप्त की है। केरल और तमिलनाडु अभी बीजेपी के लिए अभेद्य है।

उत्तर के राज्यों में कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन इंडी गठबंधन के लिए शुभ संकेत नहीं है। मजबूरन कांग्रेस अपना प्रसार अब उन क्षेत्रों में करना चाहेगी जहाँ उसके सहयोगी दल क्षेत्रीय शक्तियां बने हुए है। मध्य प्रदेश में सपा के साथ सीट एडजस्टमेंट न करने पर अनेक सहयोगी दल कांग्रेस से नाराज़ है। इंडी अलायंस को बीजेपी से प्रतिस्पर्धा में रहने के लिए अच्छे तालमेल और सूझ-बूझ की आवश्यकता होगी। इस एलायंस में कांग्रेस को अपनी सीमाओं को समझना होगा।

2024 लोक सभा चुनाव के लिये बीजेपी और अधिक उत्साहित है। उसके पास मोदी की अपार लोकप्रियता का संबल है। इस परिस्थिति में कांग्रेस को अपने धैर्य और विवेक का परिचय देना आवश्यक हो गया है। भारत को कांग्रेस सहित एक सशक्त विपक्ष की बहुत आवश्यकता है।

ग्लोबल वार्मिंग: विकसित देशों का रवैया ठीक नहीं

-राकेश दुबे

विश्व के तमाम देश लगातार ग्लोबल वार्मिंग से मानवता पर मंडराते संकट को दूर करने के लिये संयुक्त अरब अमीरात में एकजुट हुए । दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 28वें सम्मेलन से फिर पूरी दुनिया की आस जगी है। दुनिया टकटकी लगाए बैठी है कि कॉप-28 सम्मेलन से धरती को बचाने के लिये कुछ ठोस निर्णय लिए जाएंगे। बीत रहे साल में मौसम के चरम के चलते तापमान वृद्धि, अलनीनो प्रभाव से बढ़ता समुद्री तापमान, अंटार्कटिका में तेजी से बर्फ के पिघलने, बाढ़, अतिवृष्टि, अनावृष्टि और चक्रवातों के जो भयावह परिणाम सामने आए, वो बता रहे हैं कि यदि अब निर्णायक फैसले न हुए तो धरती को बचाना मुश्किल हो जाएगा।

अब तक के तमाम पर्यावरण सम्मेलनों में वायदे तो बड़े-बड़े हुए हैं लेकिन ठोस काम इस दिशा में नहीं हो पाया है। खासकर विकसित देशों के अड़ियल रवैये से इस दिशा में आशाजनक प्रगति नहीं हो पायी है। जबकि मौजूदा हालात में विकसित देशों से न केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने की उम्मीद है, बल्कि हरित ऊर्जा में निवेश बढ़ाने की भी दरकार है। वह भी ऐसे वक्त में जब ग्लोबल वार्मिंग हर देश के दरवाजे पर दस्तक दे चुकी है। दुर्भाग्य की बात यह कि पेरिस समझौते में औद्योगिक क्रांति से पूर्व स्थिति के अनुरूप जिस तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक

सीमित करने की बात हुई थी, उस लक्ष्य को अब तक नहीं पाया जा सका है। धरती का ताप अनुकूलक माने जाने वाले अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघलना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यही वजह है कि बीत रहे साल में मौसम के चरम की तमाम घटनाएं दृष्टिगोचर हो रही हैं। ऐसे में दुनिया के पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम संगठन व आम लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कॉप-28 में कुछ बदलावकारी फैसले लिये जाएं।

हक़ीक़त में यह वक्त अब तक के तमाम सम्मेलनों में लिये गए फैसलों पर पुनर्विचार का भी है। यह विचार मंथन का अवसर है कि पिछले साल मिस्र में हुए सम्मेलन के निष्कर्ष कहा तक अमल में लाये जा सके हैं। दुखद ही है कि दुनिया के तमाम संपन्न देश संकीर्ण स्वार्थों में उलझे हुए हैं जबकि धरती के अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। यह वक्त नेट जीरो के लक्ष्य हासिल करने के लिये ईमानदार पहल करने का भी है। सवाल यह भी कि धनी देश हरित ऊर्जा में कितना निवेश करते हैं। यह भी कि धनी देश विकासशील देशों द्वारा अपने आर्थिक विकास की कीमत पर नेट जीरो के लक्ष्य हासिल करने में कितनी मदद करते हैं।

उन औद्योगिक इकाइयों का नियमन भी जरूरी है जो भारी मात्रा में प्रदूषण फैलाते हैं। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संरक्षित करना है तो आर्थिक विकास की गति धीमी करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए। भारत ने हमेशा जलवायु प्रतिबद्धताओं को लागू करने में ईमानदार पहल की है। भारत ने ग्लासगो में हुए कॉप-26 सम्मेलन में वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य पाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तब अपनी पंचामृत रणनीति का खुलासा किया था। जिसमें उन्होंने 2070 तक शून्य उत्सर्जन के अलावा वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षमता में गैर जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को पचास फीसदी तक बढ़ाने का वायदा किया है। इसके अलावा वर्ष 2030 तक वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को 500 गीगावॉट तक बढ़ाना तथा कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। निश्चित रूप से ये लक्ष्य जलवायु संरक्षण को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को ही दर्शाते हैं।

ऐसे में धनी देशों को उन देशों की मदद के लिये आगे आना होगा जो वैश्विक पर्यावरण को बचाने के लिये अपने आर्थिक हितों से समझौता कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि आज दुनिया में जो पर्यावरणीय संकट मंडरा रहा है उसके मूल में विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की निर्मम लूट भी शामिल है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कॉप-28 में धरती को बचाने के लिये ठोस निर्णय लिये जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

औबेदुल्लागंज संवाददाता .औबेदुल्लागंज थाना अंतर्गत दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई । जानकारी के अनुसार युवक पैदल रोड क्रॉस कर रहा था तभी किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है, जिसके चलते मौके पर ही मौत हो गई वहीं,बताया जा रहा है कि दुर्घटना किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। वाहन कौन सा था ये पता नहीं चल सका है। हादसा काफी भीषण था। मौके पर ही मौत हो गई है,। घटना औबेदुल्लागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भोपाल तिराहे (बिशन खेड़ा) के पास की है नेशनल हाईवे होने की वजह इस रास्ते में ट्रैफिक ज्यादा रहता है। रात-दिन वाहन यहां से गुजरते हैं। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि 2-00 बजे से 3-00 बजे वीच हादसा हुआ होगा, पर तुरंत किसी को पता नहीं चला होगा। बाद में दुकानदारों ने देखा तो इसकी सूचना सबसे पहले थाना ओबेदुल्लागंज को दी और फिर डायल हंड्रेड को दी गई। आनन-फानन में सूचना लगते ही डायल हंड्रेड और थाना प्रभारी वहां पहुंचे तो देखा कि युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी , जिसे नगर परिषद शब वाहन से ओबेदुल्लागंज हॉस्पिटल लाया गया। जहां पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। औबेदुल्लागंज थाना प्रभारी संजय चौकसे का कहना है कि मृत व्यक्ति उत्तर प्रदेश का है अभी घटना की तफ्तीश की जा रही है। जानकारी जुटाई जा रही है कि कैसे घटना हुई किस वाहन ने टक्कर मारी है किस तरह से एक्सीडेंट हुआ है, सब कुछ जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस अभी पड़ताल में जुटी हुई है।

जनसुनवाई में आए कुल 23 आवेदन

धार। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में कुल 23 आवेदन आए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अश्विनी रावत सहित अन्य अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में जमीन से कब्जा हटवाने, मुआवजा राशि दिलवाने, आर्थिक सहायता दिलवाने,लंबित वेतन दिलवाने, अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, अतिक्रमण हटवाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

संपतिया उइके ने हासिल की जीत

नैनपुर। आदिवासी सुरक्षित विधानसभा की मंडला बिछिया निवास तीन क्षैत्र मे मंडला से भाजपा की संपतिया उईके ने कांग्रेस के डाक्टर अशोक मर्सकोले को 15970 मतो से पराजित कर भाजपा का खाता खोला वही जिले की बिछिया सीट पर कांग्रेस के नारायण पटटा जीते। निवास विधानसभा मे दिलचस्प मुकाबले मे भाजपा के केद्रीय मंत्री फगन सिंह कुलसते को हार का मुह देखना पडा समीपस्थ आदिवासी जिले डिडौरी की दो सीट शहपुरा डिडौरी मे शहपुरा से भाजपा के ओमप्रकाश धुवे जीते है कांग्रेस से चौथी बार ओमकार मरकम डिडौरी से जीते सत्ता के गलियारे पर अब चर्चा शुरू हो गई है भाजपा सरकार मे मंत्री पद से कौन सुशोभित होगा जबकि दो आदिवासी जिले से एक एक विधायक जीते है दोनों ही प्रभाव शाली है चर्चा का विषय है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईव्हीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

छतरपुर,। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. ने मंगलवार की शाम को कलेक्ट्रेट कार्यालय के पीछे स्थित ई.व्ही.एम. वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कोषालय अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी व्ही.के. श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी विजय कुमार तिर्की उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जी.आर. ने सीसीटीव्ही कैमरों की लगातार हो रही रिकॉर्डिंग को चेक किया। इस दौरान अग्निशामक यंत्र और सीलबंद ताले सही पाये गये। सभी कैमरे चालू अवस्था में पाए गए और सुरक्षा गार्ड्स भी मुस्तैद मिले।

कलेक्टर के निर्देश पर उर्वरक के सुगमता से वितरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देश पर मंगलवार को जिले में खाद के सुगमता से वितरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के माध्यम से किसानों को उर्वरक उपलब्धता की सूचना भी मिलेगी। साथ ही दूरभाष नम्बर 07682-796541 पर सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे के मध्य कॉल करने पर उर्वरक संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। डीडीए डॉ. बी.पी. सूत्रकार ने बताया कि कंटोल रूम का प्रभारी अशोक सिंह, सहायक अधिकारी एस.के. मिश्रा को नियुक्त किया गया है और तीन सहायक राहुल तिवारी, श्रीमती नेहा शुक्ला एवं के.के. चौरसिया की ड्यूटी लगाई गई है।

बैतूल जिले की पांचो सीटे जीतने पर सीएम ने खुशी जाहिर की

गंगा सज्जन सिंह उइके से आत्मीयता से मिले शिवराज

बैतूल / शाहपुर घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने मंगलवार को सीएम हाऊस में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मध्यप्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत एवं प्रदेश में पुन- भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर उन्हे शुभकामनायें एवं धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने घोड़ाडोगरी के नवनिर्वाचित विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके से आत्मीयता से मिलकर बैतूल जिले की पांचो विधानसभा सीटो पर भाजपा की जीत होने पर खुशी जाहिर की घोड़ाडोगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैतूल जिले की पांचो सीटे जीतने जिला भाजपा संगठन सहित जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैतूल जिले में सबसे बड़ी जीत हासिल करने पर गंगा सज्जन सिंह उईके को शुभकामनाएं दी। विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने चर्चा के दौरान बताया की भाजपा मध्यप्रदेश सरकार की नीतियो और कार्यकर्ताओ की मेहनत से म.प्र. में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रो में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सभाओं से समूचे मध्यप्रदेश में श्री नरेंद्र मोदी के साथ भाजपा के पक्ष में जनता का समर्थन रहा । जो भाजपा की ऐतिहासिक जीत में मील का पत्थर साबित हुआ।

ससुंद्रा परिवहन चेक पोस्ट पर एंट्री के नाम पर अवैध वसूली आर टीओ कि अधिकारियों मिली भगत

बैतूल। जिले के ससुंद्रा परिवहन चेक पोस्ट पर एंट्री के नाम पर चल रही प्रकार की कार्यवाही नहीं होती है।

है अवैध वसूली आरटीओ के अधिकारीयो की हो रही है बल्ले बल्ले मुलताई बैतूल 47 हाईवे के बीच में बने ससुंद्रा परिवहन चेक पोस्ट पर खुलेआम धड़ले से एंट्री के नाम पर वाहन चालकों से अवैध वसूली का काला कारोबार चरम पर है लगातार पत्रकारों द्वारा इसकी खबरें भी प्रकाशित की गई है लेकिन फिर भी इन भ्रष्ट अधिकारियों के ऊपर आखिरकार किसका संरक्षण है जिसके चलते उनके ऊपर किसी भी

प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार अवैध कारोबार कालाबाजारी खत्म करने की बात तो कर रहे हैं लेकिन ससुंद्रा चेक पोस्ट पर धड़ल्ले से एंट्री के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है कार्रवाई नहीं होने से अधिकारियों के हौसले भी बुलंद दिख रहे हैं चेक पोस्ट पर पहुंचे वाहन चालकों ने जानकारी दी है कि हर बार हमें यहां से आने-जाने के लिए एंट्री देनी पड़ती है किसी वाहन से ?300 एंट्री ली जाती है तो किसी वाहन से हजार रुपए तक यहां पर एंट्री देना अनिवार्य है।

अगर जब इसके खिलाफ हम लोग बात करते हैं तो हमें ही आरटीओ अधिकारी द्वारा धमकाया जाता है इसीलिए हमें मजबूरन एंट्री देकर अपना काम निकालना पड़ता है अब सवाल यह उठता है कि स्वतंत्र भारत देश में ऐसे अधिकारियों के ऊपर आखिरकार कार्यवाही नहीं होना एक शोध का विषय है।

मंदिरों में चोरी का आरोपी पकड़ाया, गांजे के नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी की

सीहोर। कोतवाली पुलिस ने हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी को पकड लिया है। उससे पूछताछ भी की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना कोतवाली अन्तर्गत एक दिसंबर को अरुण पाण्डे निवासी ब्राह्मणपुरा कस्बा सीहोर ने रिपोर्ट किया कि पंचमुखी हनुमान मंदिर की दानपेटी का किसी अज्ञात व्यक्ति ने ताला तोडकर राशि चुराकर ले गया है । उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पुलिस ने धारा 461 भादवि का दर्ज किया था। इसी प्रकार दिनांक 4 दिसंबर को ग्राम बमुलिया सीहोर निवासी हरिओम परमार ने रिपोर्ट की थी कि 3 दिसंबर को गांव के हनुमान मंदिर का चांदी का मुकुट वजनी करीब 500 ग्राम दोपहर में कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया है । उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली ने धारा 380 भादवि का दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। मंदिर से चोरी की घटना को देखते हुये पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने आरोपी अज्ञात आरोपी एवं चोरी की दानपेटी की राशि एवं चांदी के मुकुट की खोजबीन के लिए टीम गठित की थी । उक्त टीमों ने जांच में अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु लगातार सी.सी.टी.वी. फुटेज देखकर एवं मूखबिर तंत्र सक्रिय किया था। इसी क्रम में मुखबिर द्वारा आरोपी के संबंध में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई । नगर पुलिस अधीक्षक निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये ग्राम बमुलिया नाले के पास, जंगल बेडी से आरोपी गोलू ठाकुर उर्फ असलम शाह पिता सईद शाह उम्र 26 साल निवासी ग्राम सौठिया थाना भैरुन्दा जिला सीहोर को पकडा गया। आरोपी गोलू ने अपना जुर्म स्वीकार किया है, उसने गांजे के नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी करना बताया । आरोपी गोलू ठाकुर के विरुद्ध पूर्व में भी थाना श्यामपुर एवं अन्य थानो में भी चोरी के अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी गोलू ठाकुर उर्फ असलम शाह से हनुमान मंदिर बमूलिया से चोरी किये गये चांदी के मुकुट एवं सीहोर के हनुमान मंदिर की दानपेटी से चोरी की गयी राशि 1500 जप्त की है।

उत्तर-पूर्व से चल रही तेज ठंडी हवाओं से लोग ठंड का प्रकोप सहने को मजबूर

सीहोर । उत्तर-पूर्व से चल रही तेज ठंडी हवाओं से लोगों को ठंड का प्रकोप सहने को मजबूर होना पड़ रहा है। दिन की अपेक्षा रातों में लोगों को तापमान बढ़ने से थोड़ी राहत तो मिल रही है, लेकिन दिन में ठंड वे बचने के लिए गर्म कपड़ो का सहारा लेना पड़ रहा हैं।

पिछले तीन चार दिनों आसमान में छाए घने-मध्यम बादलों से रबी सीजन में गेहूं और चने की फसलों में कीटो का प्रकोप होने से किसानो के माथे पर चिंता की लकीरें भी दिखाई देने लगी हैं।

इन दवाओं का करे छिड़काव

बीते चार दिनों से दिन के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है तो वही रात का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है, ऐसे में दिन में लोगों को ठंड से बचने के जतन करना पड रहा हैं। शहर में स्थित रफी अहमद किदवई कृषि कालेज के कृषि मौसम विशेषज्ञ डॉ एसएस तोमर ने बताया कि दिन के तापमान में लगातार गिरावट होने से दिन की अपेक्षा रात को लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिल रही हैं। जबकि दिन के समय लोगों को गर्म कपड़ों में दुबके रहने को मजबूर होना पड़ रहा हैं। दिन का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस कम हैं। वही रात का तापमान भी सामान्य से अधिक 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। घने बादल फसलों में कीटों का प्रमुख कारण बन रहे है। डॉ तोमर के अनुसार जिले में फिलहाल उत्तर-पूर्व से चल रही ठंडी हवाओं की गति 14 से 15 किलोमीटर बनी हुई हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी के कारण प्रदेश सहित जिले में भी ठंड का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता जा रह हैं।

दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी और गिरावट होने से मौसमी बीमारियां भी सर्दी, सेवनिया के वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी तक गेंहूं फसल की बुवाई नही की गयी है, खांसी और वायरल फीवर के साथ ही मलेरिया और निमोनिया के मरीज बड़ी संख्या में उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं।

गेहूं में दिखाई दे रहा जड़माहू और दीमक

इनदिनों गेहूं में जहां जड़माहू और दीमक का प्रकोप दिखाई दे रहा हैं तो वही चने में इल्लियों को प्रकोप भी बढ़ता जा रहा हैं। आसमान में छाए बादल आगामी चार से पांच दिनो में छटने के आसार भी है बन रहे हैं। फिलहाल किसानों को कृषि विशेषज्ञों की सलाह से ही अपनी फसलों पर कीट नाशक दवाओ का छिड़काव करना चाहिए । वहाँ पर बुवाई से पूर्व इमिडाक्लोरोप्रिड 48 प्रतिशत, एफएस. की 01 मिली. दवा अथवा थायोमेथॉक्जॉम 30 प्रतिशत, एफएस दवा की 1.5 मिली मात्रा प्रति किलोग्राम की दर से बीज उपचार अयवश्य करें। जिन क्षेत्रों में बुवाई कार्य पूर्ण किया जा चुका है व कीट प्रकोप के लक्षण प्रारंभिक अवस्था में हैं वहाँ किसान भाई इमिडाक्लोरोप्रिड़ 17.8 एसएल की 80 -100 मिली. मात्रा अथवा थायोमेथॉक्जॉम 25 प्रतिशत डब्लूपीकी 80 ग्राम मात्रा अथवा एसिटामाप्रिड 20 प्रतिशत एसपी दवा की 60 ग्राम मात्रा प्रति एकड़, 150-200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें या किसान भाई थायोमेथॉक्जॉम 30 प्रतिशत कीटनाशक की 250 मिली मात्रा को 50 किलो यूरिया खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

नेशनल लोक अदालत 09 दिसम्बर के प्रचार-प्रसार में प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

छतरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 दिसम्बर को आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष अखिलेख शुक्ला, द्वारा आगामी 09 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। नेशनल लोक अदालत के बृहद प्रचार-प्रसार वाहन को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजकर जन सामान्य को नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों से अवगत कराया जाएगा। 09 दिसम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत जिला मुख्यालय छतरपुर के साथ तहसील न्यायालय नौगांव, बिजावर, लवकुशनगर, बडामलहरा एवं राजनगर में किया जाएगा। उक्त कार्यकम में समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहें।

उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, चौक बाउंस, राजस्व के लंबित प्रकरण एवं बैंक संबंधी, नगर पालिका, दूरसंचार के प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सुलह के आधार पर निराकरण किया जावेगा। वर्ष 2023 की चतुर्थ नेशनल लोक अदालत को सफल को बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किये जाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिबद्ध है। इस नेशनल लोक अदालत में तहसील एवं जिला मुख्यालय में कुल 30 खंडपीठों का गठन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय की अध्यक्षता में प्रथम खंडपीठ का गठन किया गया है जिसमें पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। अन्य खंडपीठों के द्वारा भी प्री-लिटिगेशन एवं लीटिगेशन के मामलों का निराकरण किया जावेगा। इस नेशनल लोक अदालत में जल विभाग एवं विद्युत विभाग एवं नगर पालिका द्वारा विशेष छूट प्रदान की जा रही है। अतः आमजन से अपील है कि उक्त नेशनल लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार करें।

जनसुनवाई में आई महिला की शिकायत पर प्रशासन का तत्काल एक्शन

न्यायालय परिसर में दस्तावेज लेखिका ने आवेदन लिखने के लिए थे 100 रुपए

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले में जनसुनवाई शुरू हुई। मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला पंचायत सभाकक्ष में शुरू हुई। जनसुनवाई में गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने के आवेदन लेकर आई ग्राम मुड़वारा निवासी तहसील नौगांव श्रीमती सखी अहिरवार भी पहुंची। एडीएम नमः शिवाय अरजरिया द्वारा पूछा गया की आवेदन कहा से लिखवाया और कितने रुपए दिए। आवेदिका ने बताया कि न्यायालय परिसर में बैठी दस्तावेज लेखिका से लिखवाए है, जिसके एवज में 100 रुपए लिए हैं। इस बात को कलेक्टर श्री जी.आर. के संज्ञान में लाया गया और कलेक्टर के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर रामनिवास चौधरी को आवेदिका के साथ न्यायालय परिसर भेजा गया और आवेदन लिखने वाली महिला ने पैसे लेने की बात कबूली और जनसुनवाई में आकर आवेदिका के पैसे मौके पर ही वापस किए। इस दौरान दस्तावेज लेखिका को कड़ी हिदायत दी गई। लगभग 2 रू कीमत के एक कागज में आवेदन लिखने के 100 रू वसूल किए थे। कलेक्टर के निर्देशन में हुई इस तत्काल कार्रवाई से दलालों में हड़कंप मचा गया। महिला को उसके पैसे वापस मिलने पर उसके चेहरे पर खुशी देखी गई। उल्लेखनीय है की जनसुनवाई में आवेदन लिखवाने की निरूशुल्क सुविधा उपलब्ध है। कलेक्टर श्री जी.आर. ने दलाली कर लोगों से मनमाने तरीके से काम के एवज में पैसे वसूलने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंतिध 31 आवेदनों पर सुनवाई की गई और जांच करते हुए अधिकारियो को निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

क्या लाचार परी नगर पालिका व्यवस्था में अब होगा परिवर्तन, सफाई नहीं होने से नालियां पड़ी है चोक, जिम्मेदार नहीं दे रहे

सिरोंज। नगर पालिका परिषद की हालात दिन व दिन है कि यहां पर अधिकांश अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे है,साफ सफाई से लेकर गुणवत्ता विहीन काम हो रहा है जिम्मेदार आंखें बंद करके भुगतान कर देते हैं । शहर कि अधिकांश नालियों चौक पड़ी है देखने वाले गायब है । परिषद के जिम्मेदारों के द्वारा भी लाचार पड़ी व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए भी ध्यान नहीं दे रहे है इस वजह से अभी नगर पालिका का संचालन भगवान भरोसे हो रहा है ।नगर पालिका अध्यक्ष सीधे होने के कारण नगरपालिका जिम्मेदार उनको गंभीरता से नहीं ले रहे अधिकांश अधिकारी, कर्मचारी उनकी बात को भी ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते दूसरी ओर नगर पालिका सीएमओ की बात की जाए तो उनकी स्थिति भी अध्यक्ष की जैसी ही बताई जाती है इस वजह से अधिकांश अधिकारी कर्मचारी मनमर्जी से अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। वही नगरपालिका में आने वाले लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए कदम नहीं उठाते हैं। नगर में हो रहे निर्माणकारियों की बात की जाए तो अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा मनमानी तरीके से घटिया मटेरियल का उपयोग करके घटिया सड़कें बनाने का कार्य किया जा रहा है।

स्टेडियम के कछुआ गति, सब्जी बाजार के लिए पक्का होगा एरिया, दोनों तरफ नाली भी बनेगी

आचार संहिता हटते ही एक्शन मोड में दिखे नपा अध्यक्ष, अधिकारी कर्मचारियों को लगाई फटकार

इटारसी। विधानसभा चुनाव के दौरान लगी आचार संहिता के बाद नगरपालिका अध्?यक्ष पंकज चौरे वापस एक?शन में आ गए हैं। प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही तथा पहले से चल रहे निर्माण कार्यों की सुस्?त चाल व सफाई व्?यवस्?था खराब होने की शिकायत आचार संहिता के दौरान लगातार मिल रही थी, उसे ठीक करने के लिए नगरपालिका अध्?यक्ष श्री चौरे ने आज से पिफर कमाना संभाल ली है। वे आज शहर के विभिन्?न हिस्?सों में निरीक्षण पर पहुंचे। उनके साथ इस दौरान सीएमओ रितु मेहरा, स्?वच्?छता विभाग प्रभारी उपयंत्री मंयक अरोरा साथ थे। नपाध्?यक्ष ने विशेष रूप से पुरानी इटारसी में वीर सावरकर स्?टेडियम का निरीक्षण किया। यहां आचार संहिता के दौरान निर्माण के कछुआ चाल चलने पर नाराजगी जताई और गुणवत्?ता को लेकर भी फटकार लगाई। ठेकेदार को साफ तौर पर कहा कि तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा हो जाना चाहिए, वे देरी बर्दाश्?त नहीं करेंगे। यहां अभी स्?टेयर, कक्ष व भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। मैदान 70 प्रतिशत बन गया है और बाउंड्रीवाल 100 प्रतिशत बन चुकी है।

सब्?जी बाजार व पार्किंग के लिए यह होगी व्?यवस्?था-

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने स्थानीय नागरिकों व यहां सब्जी बाजार लगाने वाले दुकानदारों की मांग पर स्टेडियम के सामने की ओर कच्चे एरिया में सीमेंटीकरण करने के निर्देश सीएमओ रितु मेहरा को दिए हैं। यहां सप्ताह में दो दिन बाजार लगता है बाकी दिन यहां स्टेडियम की पार्किंग होगी। इसी तरह स्टेडियम के दोनों तरफ नाली निर्माण भी कराया जाएगा।

कचरा डम्पिंग के स्थान कवर्ड होंगे-

नगरपालिका शहर में दो स्?थानों पुलिस लाइन के पास पुरानी ओझा बस्ती व न्यास कॉलोनी जगदम्बा मैरिज गार्डन के साइड पर कचरा डम्पिंग करके जिलवानी ट्रिचिंग ग्राउंड पहुंचाती है। इन दोनों ही स्थानों को टीन लगाकर कवर्ड किया जाएगा। सामने से गेट होंगे। सीएमओ को इसका निर्माण कराने के लिए निर्देशित किया है।

मार्केट में कचरा दिखा तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई-

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने मार्केट एरिया के सफाई दरोगा और कर्मचारियों की बैठक नपा में बुलाई। सभी से कहा कि बाजार की सडकों पर कचरा बहुत दिख रहा है, यह अब दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि यह मुझे नजर आया तो उस एरिया के अधिकारी व कर्मचारी पर कार्रवाई करेंगे।

इनका कहना है

आचार संहिता के दौरान प्रशासनिक कार्य, सफाई व्यवस्था सहित निर्माण कार्यों में सुस्ती की शिकायतें लगातार आ रही थीं। आज से सबकुछ पटरी पर आ जाए इसके लिए कार्य प्रारंभ किया है। वीर सावरकर खेल मैदान पर सीएमओ के साथ निरीक्षण किया था, यहां ठेकेदार को स्लो निर्माण कार्य पर फटकार लगाई है साथ ही गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा स्टेडियम के बाहर सब्जी बाजार के लिए सीमेंटीकरण व पानी निकासी के लिए दोनों तरफ नाली निर्माण के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मार्केट एरिया में सफाई व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं रोड पर कचरा नजर आया तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद मुलताई जिला बैतूल (म.प्र.)

Phone No. 07147-220262,
Email ID - cmomultai@mpurban.gov.in
क्रमांक/न.पा./रा.शा. / 2023/1568 मुलताई, दिनांक 05/12/2023

तृतीय नीलामी सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र मुलताई में नगरपालिका परिषद मुलताई द्वारा वर्ष 2023-24 हेतु माँ ताप्ती मेले का आयोजन दिनांक 27.11.2023 से 26.12.2024 तक श्रीराम ट्रस्ट भूमि (मेला ग्राऊण्ड) पर किया गया है। नगरपालिका परिषद मुलताई द्वारा मेला अवधि तक टू व्हीलर एवं फोर व्हीलर वाहनों की पार्किंग व्यवस्थाओं का कार्य ठेके पर दिया जाना है। जिसकी नीलामी नगरपालिका सभाकक्ष में दिनांक 07.12.2023 को समय 2.00 बजे दिन में की जावेगी । इच्छुक व्यक्ति दिनांक 07.12.2023 को समय 1.30 बजे तक धरोहर राशि रू.2000/- जमा कर नीलामी बोली में भाग ले सकते है। निर्धारित समयावधि में धरोहर राशि जमा नही होने एवं बोली प्रारंभ होने के बाद नीलामी में भाग लेने का अधिकार नही होगा ।

नोट : अधिकतम जानकारी एवं नियम व शर्तें नीलामी के पूर्व कार्यालयीन समय में राजस्व शाखा में देखी जा सकती है ।

श्रीमति नीतू प्रहलादसिंह परमार
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद मुलताई

राजकुमार इवनाती
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद मुलताई

इनोवेटिव एल्गी-पॉवर्ड फाइबर लाने के लिए बिड़ला सेलूलोज़ के साथ की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। सस्टेनेबल कपड़ा निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, क्लीन टेक्सटाइल इनोवेशन में अग्रणी, एल्गीइंग ने मेन मेड सेल्यूलोसिक फाइबर में प्रमुख बिड़ला सेलूलोज़ के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। पार्टियों ने एक शानदार, एल्गी-पॉवर्ड सेल्यूलोसिक फाइबर विकसित करने और लाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल है और उपयोगकर्ता को कई लाभ प्रदान करता है। इस सहयोग पर टिप्पणी करते हुए, आदित्य बिड़ला समूह और बिड़ला सेलूलोज़ के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर डॉ. एस्पी पटेल ने कहा, एल्गीइंग के साथ यह सहयोग उपभोक्ताओं को अधिक सस्टेनेबल फाइबर देने पर बिड़ला सेलूलोज़ के फोकस के साथ मेल खाता है। हम एल्गीइंग के सहयोग से इस इनोवेटिव नए सेल्युलोसिक फाइबर को विकसित करने और उसका विस्तार करने के इच्छुक हैं। प्रकृति का उपयोग करते हुए, यह अनोखा फाइबर टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस को नई परिभाषा दे रहा है। एल्गी के कई सारे अलग अलग रंगों से बना हुआ, यह पारंपरिक रंगाई प्रक्रियाओं को समाप्त करते हुए, प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रंगों का एक बेहतरीन पैलेट प्रदान करता है। इस इनोवेशन का उद्देश्य पारंपरिक रंगाई प्रक्रियाओं से जुड़े पर्यावरण के प्रभाव को कम करते हुए अलग अलग प्रकार के डाईलेस कपड़ों को बाजार में लाना है। प्रोडक्शन को सुव्यवस्थित करके और एल्गी की सुंदरता को अपनाकर, हम एक इनोवेटिव समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं जो देखने में आकर्षक और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार भी है।फाइबर अतिरिक्त लाभ प्रदान करता है, जैसे टोक्सिन-फ्री प्रोडक्शन और फाइबर में जोड़े गए एल्गी में मौजूद समृद्ध पोषक तत्वों, खनिजों, एंटीऑक्सिडेंट और वनस्पति गुणों से बना हुआ है जिसने उपयोगकर्ताओं के लाभ को बढ़ाया। एल्गीइंगइ के को फाउंडर और सीईओ श्रीमती रेनाना क्रेब्स ने कहा, बिरला सेलूलोज़ के साथ हमारी साझेदारी कपड़ा उद्योग को डिटोक्सिफाई करने और सस्टेनेबल इनोवेशन को बढ़ावा देने के हमारे साझा मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बिड़ला सेलूलोज़ जैसे अग्रणी खिलाडी के साथ हाथ मिलाने से हमारा प्रभाव बढ़ता है, जिससे हमें उपभोक्ताओं के लिए किफायती, बेहतर उत्पाद लाने और नए उद्योगों में शाखा लगाने की अनुमति मिलती है। साथ मिलकर, हम एक उज्जवल भविष्य के लिए रास्ता बना रहे हैं, जहां फैशन और सस्टेनेबिलिटी मूल रूप से मिलती हैं।

क्वॉनमोबिल ने पहली एफ4 चैंपियनशिप और इंडियन रेसिंग लीग सीजन 2 को पावर देकर भारत के मोटरस्पोर्ट्स सीन को ऊपर उठाया

बेंगलुरु, एजेंसी। एक्सॉनमोबिल इस वर्ष इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को पावर देकर भारत के तेजी से बढ़ते मोटरस्पोर्ट्स सेक्टर को ऊपर उठा रहा है, जिसमें देश में पहली बार एफ 4 इंडियन चैंपियनशिप और चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) और नए फॉर्मूला रेसिंग सर्किट (एफसीआर) में आयोजित होने वाली इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) का दूसरा सीजन शामिल है। यह वर्ष पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में शहर के केंद्र में द्वीप मैदानों के आसपास स्थित एफसीआर में रात की रेस का एक रोमांचक कैलेंडर शामिल है। यह रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड (आरपीपीएल) के साथ एक्सॉनमोबिल की लगातार दूसरे वर्ष की साझेदारी का हिस्सा है, जो देश में मोटरस्पोर्ट्स की लोकप्रियता और पहुँच को बढ़ाने और इसे सभी रेसर्स के लिए अधिक किफायती बनाने की अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित है। एक्सॉनमोबिल स्नेहक प्रा. लिमिटेड के सीईओ विपिन राणा ने कहा भारत के मोटरस्पोर्ट्स सीन ने सभी सिलेंडरों पर फायरिंग की, जिससे कई भावुक रेसर्स सुर्खियों में आए और इंडियन रेसिंग फेस्टिवल द्वारा पेश किए गए अवसर का लाभ उठाया।

एचडीएफसी बैंक, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब ने आई-इनोवेट लॉन्च किया

बेंगलुरु, एजेंसी। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अग्रणी एचडीएफसी बैंक ने आज आई-इनोवेट पेश करने के लिए रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की, जो एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो विशेष रूप से दिव्यांग व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले चैंपियन फिनटेक के लिए डिज़ाइन की गई है। यह पहल विशेष रूप से सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) का लाभ उठाने पर केंद्रित है ताकि न केवल वृद्धि की जा सके, बल्कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव भी लाया जा सके। रिजर्व बैंक इनोवेशन हब, भारतीय रिज़र्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो वित्तीय क्षेत्र में नवाचार के लिए अनुकूल माहौल बनाने के प्रयासों का नेतृत्व करती है। एचडीएफसी बैंक, अपने सीएसआर ब्रांड परिवर्तन के तहत, अपने परिवर्तन स्टार्टअप अनुदान कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप का समर्थन करता है। एचडीएफसी बैंक और रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब मौजूदा अंतराल को पाटने और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय पहुंच बढ़ाने के लिए सामाजिक नवाचार और उद्यमिता का लाभ उठाने के लिए एक साथ आए हैं। इसके अलावा, आबादी के इस वर्ग के लिए नवाचार में विशेषज्ञता के साथ योगदान देने के साथ-साथ इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स के विकास, त्वरण और पोषण में विशेष सहायता प्रदान करने के लिए एसिसटेक फाउंडेशन (एटीएफ) को एक सहायक भागीदार के रूप में शामिल किया गया है। 2.2 प्रतिशत से अधिक आबादी इस जनसांख्यिकीय के अंतर्गत आने के साथ, आई-इनोवेट का लक्ष्य विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय क्षेत्र के भीतर नवाचार और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को लागू करना है। यह साझेदारी आज के वित्तीय परिदृश्य का अध्ययन करने, सहायक प्रौद्योगिकी और वित्त के चौराहे पर प्रमुख बाजार अंतराल और चुनौतियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक व्यापक यात्रा शुरू करेगी।

बजाज ग्रुप की लंबी छलांग, टाटा- रिलायंस के साथ 10 लाख करोड़ करोड़ के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बजाज समूह ने बड़ी सफलता हासिल की है। समूह ने लंबी छलांग लगाते हुए खुद को 10 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली कंपनियों की लिस्ट में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही बजाज समूह देश की पांचवी कंपनी बन गई है, जिसका मार्केट कैप 10 लाख करोड़ के मार्केट कैप को पार कर गया है। बजाज की एंट्री के साथ 10 लाख मार्केट कैप वाली कंपनियों में नया नाम जुड़ गया है। बजाज देश की पांचवीं कंपनी है , जो इस क्लब में शामिल हुई है। बजाज का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इस क्लब में पहले से ही टाटा ग्रुप, रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और अडावी समूह है। अब इसमें नया नाम बजाज का जुड़ गया है।

बजाज की इस सफलता में बजाज ऑटो का सबसे खास रोल रहा है। बजाज ऑटो के बाद बजाज फाइनेंस का इसमें अहम रोल रहा है। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप लगभग 60,000 करोड़ रुपये बढ़ा है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। इस तेजी का असर कंपनी के मार्केट कैप पर दिखा । मार्केट में तेजी के बीच बजाज ग्रुप का मार्केट कैप 4 दिसंबर को 10 लाख करोड़ के आंकड़ें को पार कर गया।

कंपनी को इस मुकाम पर पहुंचाने में बजाज ऑटो का अहम रोल रहा है। बजाज ऑटो ने कंपनी के कंबाइंड वैल्यूएशन में करीब 75000 करोड़ रुपये जोड़े हैं। इस कॉन्ट्रिब्यूशन के चलते कंपनी का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ को पार कर गया। बीते कुछ वक्तच से बजाज ऑटो के शेयर लगातार चढ़ रहे हैं। अप्रैल के बाद से बजाज ऑटो के शेयर में 63 फीसदी क बढ़ोतरी हुई है। वहीं बजाज ग्रुप का मार्केट वैल्यूएशन 41त्न तक बढ़ा है। बजाज ऑटो क बाद बजाज फाइनेंस और बजाज फिन्सर्व का योगदान रहा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस रूरल आईटी क्विज़ में विदिशा के हर्षित रायकवार राष्ट्रीय फाइनल में 5वें स्थान पर रहे

विदिशा , एजेंसी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) (बीएसई 532540, एनएसई टीसीएस) और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने 24वें टीसीएस रूरल आईटी क्विज़ के राष्ट्रीय फाइनल के विजेताओं की घोषणा की है। बेंगलुरु टेक समिट के हिस्से के रूप में 30 नवंबर, 2023 को यह राष्ट्रीय फाइनल संपन्न हुआ। छोटे शहरों के छात्रों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस द्वारा आयोजित की जानेवाली अग्रणी क्विज़ में 5.5 लाख छात्रों ने लिया भाग लिया।

सीएम राइज स्कूल, विदिशा, मध्य प्रदेश के हर्षित रायकवार राष्ट्रीय फाइनल में 5वें स्थान पर रहे। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिलाई छत्तीसगढ़ के उदित प्रताप सिंह राष्ट्रीय फाइनल में विजेता और डॉ. के.बी. हेडगेवार विद्यामंदिर, बिचोलिम गोवा के विग्नेश नौसो शेट्ये उपविजेता रहे। राष्ट्रीय फाइनल में पांच विभाग थे, जिनमें प्रौद्योगिकी के बारे में छात्रों के ज्ञान को परखा गया। विजेता और उपविजेता को टीसीएस द्वारा क्रमशः 1,00,000 रुपये और 50,000 रुपये की शैक्षिक छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। सभी फाइनलिस्ट छात्रों को टीसीएस से छात्रवृत्ति भी मिली।

फाइनलिस्ट को टीसीएस से छात्रवृत्ति भी मिली। कर्नाटक सरकार के आईटी और बीटी, ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के माननीय मंत्री, श्री प्रियांक खरगे इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उनके साथ टीसीएस बेंगलुरु के रीजनल हेड श्री सुनील देशपांडे, कर्नाटक सरकार के आईटी, बीटी, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डॉ. एकरूप कौर और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स आईटी, बीटी एंड एमडी किट्स विभाग के निदेशक, श्री दर्शन एच वी ने भी विजेताओं का अभिनंदन किया। वर्ष 2000 से टीसीएस कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और सायंस एंड टेक्नॉलॉजी डिपार्टमेंट के साथ मिलकर रूरल आईटी क्विज़ का आयोजन कर रहा है।

आईआईएम लखनऊ प्रतिष्ठित सीएफए संस्थान के विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम में शामिल हुआ

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ ने प्रतिष्ठित सीएफए संस्थान विश्वविद्यालय मान्यता कार्यक्रम में गर्व से शामिल हुए हैं। संस्थान के पाठ्यक्रम को सीएफए प्रोग्राम कैंडिडेट बॉडी ऑफ नॉलेज के साथ गठबंधन किए गए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों (कम से कम 70 प्रतिशत) को शामिल करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, यह सीएफए संस्थान आचार संहिता और अभ्यास के मानकों में निहित सिद्धांतों पर जोर देता है।

निवेश प्रबंधन उद्योग में सफलता के लिए उच्च क्षमता वाले प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से कुशल नेताओं को पोषित करने की अपनी दृष्टि के अनुरूप, यह संबद्धता एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है। कार्यक्रम को प्रतिष्ठित सीएफए पदनाम के लिए आईआईएम लखनऊ के छात्रों को स्थान देने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जिसे विश्व स्तर पर एक सर्वोपरि निवेश क्रेडेंशियल के रूप में मान्यता दी गई है।

हाल ही में, आईआईएम लखनऊ ने सीएफए इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी संबद्धता कार्यक्रम के लिए लॉन्च इवेंट की मेजबानी की, जिसमें सीएफए इंस्टीट्यूट में भारत की कंट्री हेड सुश्री आरती पोरवाल ने सम्मानित अतिथि के रूप में।

इस साझेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए, आईआईएम लखनऊ में संकाय के डीन प्रो. अजय गर्ग ने टिप्पणी की, सीएफए संस्थान के साथ सहयोग निवेश प्रबंधन में भविष्य के लिए तैयार नेताओं को पोषण करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, उत्कृष्टता पर जोर देता है। विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम निवेश पेशेवरों के प्रशिक्षण के लिए तैयार विश्वविद्यालय की डिग्री कार्यक्रमों में नैतिकता आधारित निवेश शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चयनित शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देता है।

सीएफए संस्थान में भारत की कंट्री हेड सुश्री आरती पोरवाल ने कार्यक्रम के दौरान आईआईएम लखनऊ का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा,यह साझेदारी निवेश प्रबंधन उद्योग और हमारे देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण प्रतिभा पूल को काफी बढ़ाएगी।

यह सहयोग आईआईएम लखनऊ के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह अपने पाठ्यक्रम में व्यावहारिक ज्ञान के एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है। यह छात्रों को वैश्विक उद्योग चिकित्सकों से अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री और कार्यक्रमों जैसे अभ्यास प्रश्न, नकली परीक्षा, और सीएफए कार्यक्रम पाठ्यक्रम के सभी तीन स्तरों तक पहुंच प्राप्त होती है। व्यावहारिक उद्योग की आवश्यकताओं के साथ निकटता से संरेखित एक डिग्री कार्यक्रम को पूरा करके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पेशेवर प्रमाण पत्र के साथ जुड़ा हुआ है, छात्र स्नातक स्तर पर अपनी रोजगार और वैश्विक गतिशीलता को बढ़ा सकते हैं। आईआईएम लखनऊ में संकाय के डीन प्रो. अजय गर्ग ने कहा,लॉन्च समारोह सुलभ, उच्च गुणवत्ता वाले वित्तीय और व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम सीएफए संस्थान के सहयोग से उत्कृष्टता पर जोर देकर निवेश प्रबंधन में नेतृत्व करने के लिए तैनात अच्छी तरह से गोल व्यक्तियों की खेती करने की इच्छा रखते हैं।

फर्टीलाइज़र एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सालाना सेमिनार 2023 उर्वरक एवं कृषि क्षेत्रों में इनोवेशन्स

नई दिल्ली , एजेंसी। एफएआई 6-8 दिसम्बर 2023 के दौरान नई दिल्ली के होटल पुलमैन में 59वें सालाना सेमिनार का आयोजन करने जा रहा है, जिसका विषय होगा 'इनोवेशन इन फर्टीलाइज़र एण्ड एग्रीकल्चर सेक्टर यानि उर्वरक एवं कृषि क्षेत्र में इनोवेशन्स'। इसके मद्देनज़र 4 दिसम्बर को नई दिल्ली के एफएआई हाउस में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एन. सुरेश कृष्णन चेयरमैन, एफएआई, श्री एस. सी. मेहता, को-चेयरमैन, एफएआई, श्री अरविंद चौधरी, डायरेक्टर जनरल, एफएआई, तथा एफएआई के डायरेक्टर्स ने प्रेस सम्मेलन को सम्बोधित किया।

6 दिसम्बर 2023 को सेमिनार का उद्घाटन केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया करेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान माननीय अतिथि श्री भगवंत खुबा, रसायन एवं उर्वरक मंत्री और नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा राज्य मंत्री तथा श्री रजत कुमार मिश्रा, सचिव (उर्वरक) विशेष अतिथि होंगे। एफएआई ने कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए अनुसंधान एवं विकास में वैज्ञानिकों के योगदान तथा उत्पादन, पर्यावरण प्रदर्शन, सुरक्षा, लघु पोषक तत्वों के विपणन आदि के लिए पुरस्कारों की घोषणा भी की है, जिनका वितरण मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा।

दुनिया भर में कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि उर्वरकों ने अनाज की उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उर्वरकों के इस्तेमाल के बारे में गलत अवधारणाओं को दूर करना ज़रूरी है। इस सत्र के दौरान उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया जाएगा, इस सत्र के द्वारा किसानों, मीडिया एवं आम जनता में उर्वरकों के बारे में मौजूद गलत अवधारणाओं को दूर किया जाएगा। सत्र की अध्यक्षता नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद करेंगे। उर्वरक विभाग एवं कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी सत्र में मौजूद रहेंगे।

सेमिनार के दौरान नीतियों पर चर्चा, कृषि में विकास, विपणन एवं उत्पादन तकनीकों पर विचार-विमर्श के लिए अन्य सत्रों का आयोजन भी किया जाएगा। इन सत्रों में कुल 18 प्रेज़ेन्टेान्स होंगी, जिनमें निम्नलिखित विषयों को कवर किया जाएगाः

एनपीके के इस्तेमाल का अनुपात मुख्य मुद्दा है, जो 2009-10 में सुधार होकर तकरीबन 4.3:2:1 हुआ लेकिन खरीफ 2022 में यह 12.8:5:1 तक तथा खरीफ 2023 के दौरान 10.9:4.9:1 पर पहुंच गया। इसलिए उर्वरक नीति ऐसी होनी चाहिए जिससे एनपीके अनुपात संतुलित बन सके।

भारत उर्वरकों के लिए विभिन्न प्रकार के कच्चे माल एवं फीडस्टॉक के आयात पर निर्भर है। दुनिया भर में उर्वरकों की कीमतें और भोगौलिक राजनैतिक स्थितियां स्वदेशी निर्माताओं की व्यवहारिकता को प्रभावित करती हैं। पिछले साल उर्वरकों की कीमतों में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई, जो 2022-23 की दूसरी तिमाही में कम हो गई। जो अब फिर से बढ़ने लगी है।

उदाहरण के लिए डीएपी की कीमत अप्रैल 2022 में 924 डॉलर प्रति एमटी थी, जो जुलाई 2023 में गिर कर 440 डॉलर प्रति एमटी हो गई और अक्टूबर 2023 में फिर से बढ़कर 595 डॉलर तक पहुंच गई। इसी तरह फॉस्फोरिक एसिड की कीमतें अप्रैल 2022 में 1530 डॉलर प्रति एमटी थी जो गिर कर जुलाई 2023 में 970 डॉलर तक पहुंच गई और फिर से बढ़कर अक्टूबर 2023 में 985 तक पहुंच गई। इसी तरह अमोनिया की कीमतें अप्रैल 2022 में 1530 डॉलर प्रति एमटी थी, जो जुलाई 2023 तक गिर कर 285 डॉलर तक पहुंच गई और अक्टूबर 2023 में फिर से बढ़कर 575 डॉलर तक पहुंच गई। युरिया का उत्पादन 80-85 फीसदी आयात किए गए आरएलएनजी पर निर्भर है।

यूरिया मैन्यूफैक्चरिंग में भी आत्मनिर्भर हो रहा है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। अब यूरिया खाद के लिए किसी दूसरे देश का मुंह ताकना नहीं होगा। भारत शीघ्र ही यूरिया मैन्यूफैक्चरिंग में भी आत्मनिर्भर होने जा रहा है। यह जानकारी देश में रासायनिक उर्वरक बनाने वाली कंपनियों का शीर्ष संगठन फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दी है। संगठन का कहना है कि इस समय देश में 80 लाख टन यूरिया की मैन्यूफैक्चरिंग कैपिसिटी डेवलप की जा रही है।

क्या कहना है एफएआई काः एफएआई के अध्यक्ष सुरेश कृष्णन का कहना है कि अगले दो साल में भारत यूरिया के निर्माण में आत्मनिर्भर हो जाएगा। कृष्णन रासायनिक उर्वरक बनाने वाली कंपनी पारादीप फास्फेट लिमिटेड के मैनेजिंग डाइरेक्टर भी हैं। उन्होंने बताया कि इस समय देश में हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया की खपत है। इसमें से करीब 285 लाख टन यूरिया का उत्पादन देश में हो जा रहा है। देश की आवश्यकता पूरी करने के लिए इस समय करीब पांच से सात मिलयन टन मतलब कि 70 लाख टन तक यूरिया का आयात करना पड़ रहा है। इससे देश के किसानों की साल भर की आवश्यकता तो पूरी हो ही जाती है, कुछ इंवेंट्री भी बची रह जाती है जो कि अगले साल काम आता है।

80 लाख टन यूरिया की फैक्ट्री बन रही हैः एफएआई के अध्यक्ष ने बताया कि इस समय हर साल करीब 80 लाख टन यूरिया की प्रोडक्शन कैपिसिटी क्रिएशन कया जा रहा है। इसमें हर साल करीब 20 लाख टन यूरिया की प्रोडक्शन कैपिसिटी निजी क्षेत्र में जबकि 60 लाख टन यूरिया की प्रोडक्शन कैपिसिटी पब्लिक सेक्टर के तहत विकसित की जा रही है। ये सभी प्रोडक्शन प्लांट गैस बेस्ड हैं।

देश में रासायनिक उर्वरकों के निर्माण और वितरण पर चर्चा के लिए एफएआई का 59वां सालाना सेमिनार कल से नई दिल्ली में शुरू हो रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम का विषय इनोवेशन इन फर्टीलाइजर एंड एग्रीकल्चर सेक्टर रखा गया है। इसका उद्घाटन केंद्रीय रसायन, उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया करेंगे। इस दैरान रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री भगवंत खुबा भी उपस्थित रहेंगे। दुनिया भर के कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि अनाज का उत्पादन बढ़ाने और भारत के इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने में रासायनिक उर्वरकों का प्रमुख योगदान है।

सिक्योरिटी गार्ड का बेटा, चॉल में रहता था परिवार, आज 3 सफल कंपनियों का मालिक, करोड़ों की इनकम

नई दिल्ली, एजेंसी। लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सुशील सिंह के लिए यह बात सटीक बैठती है। सुशील एक गरीब परिवार में पैदा हुए थे। वे 12वीं कक्षा में फेल हो गए थे। कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी। इतना पैसा नहीं था कि कोई धंधा कर सकें। लेकिन संघर्ष ही तो व्यक्ति को मजबूत बनाते हैं। आज सुशील सिंह तीन सफल कंपनियों के मालिक हैं। दुनिया उन्हें करोड़पति टेक्नोप्रेन्योर के नाम से जानती है।

तीन कंपनियों के मालिकः एसएसआर टेकविजन, डीबाको और साइवा सिस्टम सुशील सिंह की कंपनियों में शामिल हैं। लेकिन उनका यहां तक पहुंचने का रास्ता बड़ा संघर्ष भरा था। सिर्फ 11,000 रुपये की मंथली सैलरी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सुशील सिंह की कमाई आज करोड़ों में है। सुशील ने टेक्नोप्रेन्योर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वे 3 मुनाफे वाली कंपनियों के साथ ही एक एनजीओ के फाउंडर भी हैं।

सिक्योरिटी गार्ड थे पापाः सुशील सिंह

का परिवार रोजगार की तलाश में जौनपुर जिले के एक गांव से मुंबई आ गया था। यहां सुशील का परिवार डोंबिवली की बस्ती में एक चॉल में रहता था। सुशील के पापा एक बैंक में सिक्योरिटी गार्ड थे और मां हाउस वाइफ थीं। कम आय वाले परिवारों के लिए चलाए जाने वाले स्कूल से सुशील ने अपनी दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उनका पढ़ाई से मन हट गया। 12वीं क्लास में वे फेल हो गए। इसके अगले साल उन्होंने 12वीं पास की। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन की।

11 हजार रुपये महीने में जॉब कीः फिर बाद में उन्होंने पॉलिटेक्निक का कोर्स किया और एंट्री लेवर टेलीकॉलर और सेल्स एक्जीक्यूटिव की जॉब की। यहां उन्हें 11 हजार रुपये महीना सैलरी मिलती थी। सुशील ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर सरिता रावत से शादी की। इसके बाद उन दोनों ने यूएस-बेस्ड बिजनस के सहयोग से नोएडा में बीपीओ शुरू किया। यहीं से एसएसआर टेकविजन की शुरुआत हुई। अमेरिका-बेस्ड बिजनस के साथ केवल तीन से चार महीने काम करने के बाद उन्हें नोएडा में एक को-वर्किंग स्पेस मिल गया।

शादी के बाद खूब हुई तरक्कीः सुशील ने 2.5 साल के बाद पूरे नोएडा भवन को खरीदने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने डीबाको की शुरुआत की। यह एक ग्लोबल बी2सी कपड़ों का ऑनलाइन स्टोर है। इसके बाद उन्होंने अपना तीसरा कारोबार साइवा सिस्टम इंक लॉन्च किया। उन्होंने 2019 में इसकी शुरुआत की थी।

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो 2023 का भव्य शुभारंभ सायं 5.30 बजे सम्पन्न हुआ

सन्त रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम लिभोपाल के द्वारा नेशनल हैण्डलूम एक्सपो 2023 का आयोजन विकास आयुक्त (हाथकरघा) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 4 दिसम्बर से 17 दिसम्बर 2023 तक किया जा रहा है। जिसका भव्य शुभारंभ नेशनल आवार्ड बुनकर दिलेराम हिमाचल प्रदेश, से जावेद अंसारी मध्यप्रदेश, से गा मुईन बिहार से एवं श्री सुधीर चंद्रो पश्चिम बंगाल से साथ में श्री आशीष सिंह कलेक्टर, जिला भोपाल एवं श्रीमति सुफिया फारूकी बली प्रबंध संचालक, सह आयुक्त हाथकरता मप्र शासन की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 5.12.2023 को सायं 6.00 बजे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती रंजना निनावे प्रबंधक, हस्तशिल्प निगम एवं उमेश श्रीवास्वत, उपसंबालक हथकरघा एवं श्री बॉगर उपसंचालक, हथकरघा म.प्र. शासन एवं श्री मिलिद मंडी, श्री अशोक निगम उपस्थित रहे एवं अन्य गण मान्य व्यक्ति नागरिक उपस्थित थे। भारत के विभिन्न राज्यों से आयु बुनकर, शिल्पियों द्वारा व्यकच्ची/हस्तशिल्य सामग्री के स्टॉल लगा रहे है। जिसमें अब तक 117 बुनकरों को स्टॉल प्राप्त हो चुके है। इस बार के एक्सपों में बुनकर एक से बढ़कर एक बेहतरीन क्वालटी के वस्त्र लेकर विकी हेतु एक्सपों मेला में शामिल हुये है। इस अवसर पर श्रीमति सुफिया फारूकी वली प्रबंध संचालक, सह आयुक्त हथकरघा मंत्र शासन के प्रयास है की नेशनल हेण्डलूम एक्सपों में आये बुनकरों की कला संस्कृति पढ़ावा मिले एवं भोपालवासियों पूरे भारत की कला को देखने परखने एवं खरीदने का अवसर प्राप्त हो

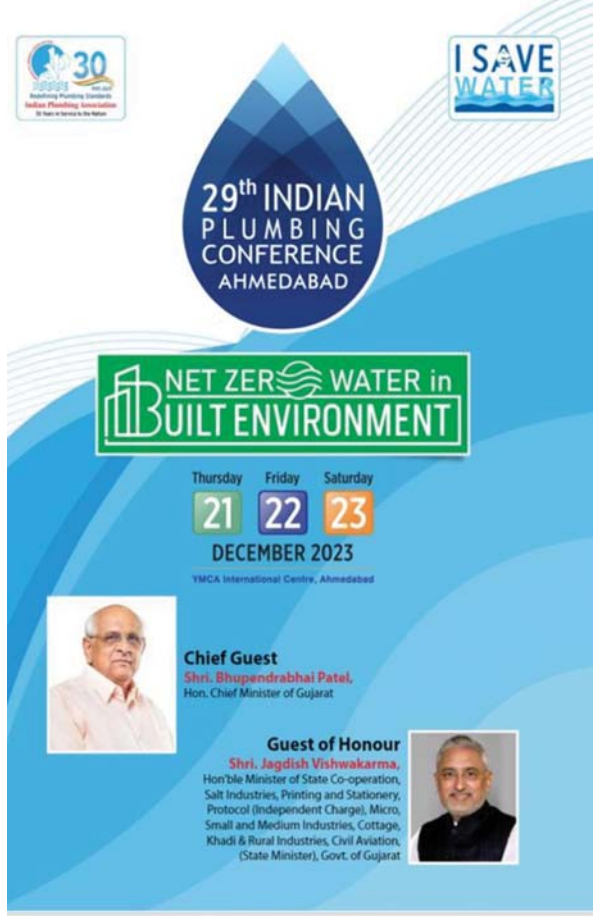

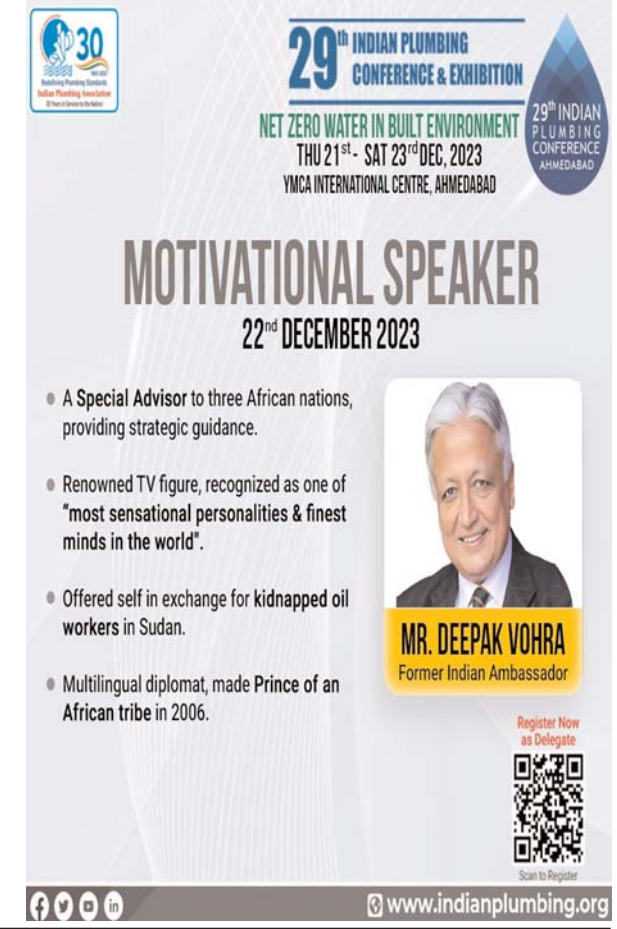

अंधे कत्ल के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

युवती से बलात्कार कर कर दी थी हत्या, पुलिस ने 36 घंटे में किया गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। चौरई थाना के अंतर्गत ग्राम हिवराकला में एक युवती के साथ बलात्कार कर हत्या करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है। आरोपी को 36 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया। एएससी अवधेश प्रताप सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि युवती पहले विवाहिता थी और पति छोड़ मायके में रहती थी आरोपी उसके झोपड़ी में रह रही घर में गया और उसके साथ संबंध बने उसने अचानक हाथ काट लिया जिस नाराज आरोपी ने युवती को हथियार से वार कर करते हुए मौत के घाट उतार दिया खून से लथफत आरोपी ने हत्या के हथियार को पेड़ के नीचे झाड़ियों में छुपाकर रख दिया और स्वयं खून से लथफत कपड़े को अपने घर में छुपाकर रख दिया पकड़ाए गए आरोपी मोनू उर्फ जयकुमार पिता बुधलाल उम्र 24 वर्ष से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त धारदार रंजित बसूला, हत्या के समय पहना हुआ रक्त रंजित शर्ट पेंट उसके घर से बरामद कर लिया पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा ने इस सफलता पर पुलिस टीम को 10 हजार रूपए का नगद ईनाम से पुरूस्कृत करने की घोषणा की है। आरोपी को पकड़ने में चौरई थानाा के

निरीक्षक बीभेन्दु व्यंकट टांडिया, उनि लता मेश्राम, उनि लखनलाल अहिरवार, सउनि शेख असगर अली, सउनि सुशील त्रिपाठी, सउनि शैलेष ठाकुर, सउनि हिरैशी नागेश्वर, सउनि संतोष सोनी, सउनि कृष्णकुमार, अशोक श्रीवास्त्री, सउनि शरद मालवीय, गोपाल साहू और अन्य अधिकारी कर्मचारियों का योगदान रहा।

हाईटेंशन लाईन की चपेट में आया युवक

पांढुर्ना शहर के जवाहर वार्ड के रामनगर इलाके में पवन पिता शिवराम धुर्वे मंगलवार को हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से घायल हो गया परिजनों ने उसे तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने छिंदवाड़ा रेफर कर दिया।

कुंए में सदिग्ध मिला शव, शरीर में चोट

चांद थाना के अंतर्गत बीजापानी गांव के कुंए में एक शव उतराता हुआ मिला सूचना पर पुलिस ने शव जब्त कर लिया और मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। अंजेश पिता नेवावलाल किरार रात में मोटर शुरू करने खेत में गया था जिसके बाद सुबह तक वापस नहीं आया और कुंए में उसका शव उतराता मिला।

प्रदेश में भाजपा को बहुमत.

पहले दौरे में आज आ रहे शिवराज, जिले में कुल 97,836 वोटों से हारी भाजपा

कई नेता लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं।

गोविंद चौरसिया

छिंदवाड़ा। प्रदेश में भाजपा की सरकार बन गई और छिंदवाड़ा, पांढुर्ना जिले की सातों सीट भाजपा हार गई भाजपा के हारे प्रत्याशियों को इस बात का गम नहीं है कि वे हार गए। हार का कारण नेता और कार्यकर्ताओं ने भीतरघात किया, भीतरघात का मतलब संगठन का छिन्न भिन्न होना, भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी व शिवराज की लहर में भी जिले की एक भी सीट नही आई जिसका कारण भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं में आपसी सामंजस्य न होना है।

भाजपा संगठन मजबूत होता तो छिंदवाड़ा छोड़ सभी सीटें भाजपा जीत सकती थी। विधानसभा चुनाव हारे किन्तु लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए नेता अपने नाम आगे बढ़ा रहे हैं। कुछ ने तो अपने को लोकसभा का प्रत्याशी घोषित भी कर दिया है। छिंदवाड़ा-पांढुर्ना की सातों सीटों की हार का कुल टोटल किया जावे तो 97836 वोटों से भाजपा हारी है। पिछला लोकसभा चुनाव नकुलनाथ 35 हजार वोटों से जीते थे। लोकसभा चुनाव में भाजपा 97836 वोट कैसे कवर करेगी। नेताओं का कहना है कि लोकसभा जीतना है तो संगठन में बड़े पैमाने पर आमूल चूल परिवर्तन करना होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज छिंदवाड़ा आ रहे हैं। उनके आने का मकसद क्या होगा यह चर्चा का विषय है शिवराज सिंह चौहान कल आमसभा में क्या कहेंगे यह तो कल ही पता चलेगा।

छिंदवाड़ा जिले में भाजपा की गुटबाजी सबको पता है, विधानसभा में भाजपा के बड़े नेता गुटबाजी खत्म करने में असफल रहे हैं। जिसके कारण हार का सामना करना पड़ा है। जिला भाजपा अध्यक्ष बंटी साहू एवं पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह की गुटबाजी स्पष्ट है जो पूरे जिले में है भाजपा ने इस चुनाव में नई भाजपा और पुरानी भाजपा को अलग अलग कर दिया। चौधरी चन्द्रभान सिंह भी अपने गुट को लेकर अब सक्रिय हो गए हैं। उनके गुट के लोग भाजपा कार्यालय जाने लगे हैं। दिल्ली की एक पत्रकार ने कहा कि पहली बार नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह ने छिंदवाड़ा को टारगेट किया है। दोनो ही चाहते थे कि छिंदवाड़ा भाजपा जीते किन्तु गुटबाजी पर ध्यान नहीं दिया। लोकसभा जीतना है तो छिंदवाड़ा जिले के विकास की ओर विशेष ध्यान देना होगा राज्य एवं केन्द्र की कई योजनाओं को छिंदवाड़ा लाना होगा। कमलनाथ अब उम्र के पड़ाव में हैं, नकुलनाथ राजनीति में नये हैं। किन्तु उनकी कार्यप्रणाली कारपोरेट स्टाईल की है। जो एक एक बूथ एवं एक-एक नेता पर नजर रखती है उनके साथ जिले के लोगों की सहानुभूति है। शिवराज सिंह चौहान का आज आना आश्चर्यजनक है उन्हें गुटबाजी देखने को मिलेगी। देखना है कि वे क्या कहते हैं।

आज आएंगे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

छिंदवाड़ा। प्रदेश में भाजपा को प्रचंड जीत हासिल हुई है लेकिन छिंदवाड़ा में भाजपा को सातों विधानसभा सीटें गवानी पड़ी है। लोकसभा में भाजपा का लक्ष्य छिंदवाड़ा सीट भी जीतना है इसको लेकर पार्टी तैयारी भी करने लगी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आज छिंदवाड़ा आगमन हो रहा है। वे दोपहर एक बजे छिंदवाड़ा पहुंचेगे और स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के बाद भोपाल वापस जाएंगे। मुख्यमंत्री ने भोपाल में ब्यान दिया है कि इस बार छिंदवाड़ा लोकसभा सीट भी भाजपा की झोली में डालेंगे। लेकिन पार्टी जब तक छिंदवाड़ा में गुटबाजी खत्म नहीं करेगी यहां जीतना मुश्किल है। नेता आते हैं भाषण देकर चले जाते हैं लेकिन गुटबाजी पर ध्यान नहीं देते।

हल्की वर्षा की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (06 से 10 दिसम्बर) घने से हल्के बादल रहने एवं दिनांक 06 से 08 दिसम्बर तक हल्की वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 81-96 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 65-83 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व दिशा में बहने एवं 07-11 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

24 बटालियन एनसीसी कमॉडिग ऑफिसर ने किया निरीक्षण

बिछुआ। 24 एमपी बटालियन के कमॉडिग ऑफिसर कर्नल थॉमस उम्मन, एस एम अमर सिंग राणा सहित अन्य स्टाफ ने मंगलवार को खमारपानी सीएम राइस स्कूल के एनसीसी गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ एनसीसी ऑफिसर राजेन्द्र चौधरी साथ रहें। उन्होंने कैडेटस से एनसीसी लेने का उद्देश्य व लक्ष्य जाना। साथ ही अधिकांश कैडेटस ने सैन्य अधिकारी बनकर देश की सेवा करने की बात कही। एनसीसी कैडेस की हरसंभव मदद करने एवं प्रतिदिन एनसीसी अतिरिक्त कालखंड लगने के निर्देश दिये। सीईओ ने एनसीसी कैडेस से 30 मिनिट तक एनसीसी कक्षा और एनसीसी करने के लाभ की जानकारियां दी। एनसीसी कैडेट को एनसीसी प्रमाण-पत्र ए बीसी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही खमारपानी सीएम राइस स्कूल के प्राचार्य आर के? पाटिल से मिलकर देश सेवा के लिए एनसीसी कैडेट को समय-समय पर प्रेरित करते रहने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान 24 एमपी बटालियन कमॉडिग ऑफिसर कर्नल थॉमस उम्मन, एस. एम. अमर सिंग राणा, प्राचार्य आर के पाटिल, एनसीसी ऑफिसर राजेन्द्र चौधरी उपस्थित थे।

महिलाओं के स्वास्थ का रख रखाव कैसे हो आहार पानी कैसे हो जानकारी दी

रोटरी प्राइड का स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम

छिंदवाड़ा। रोटरी प्राइड क्लब छिन्दवाड़ा की ओर से सिवनी प्रानमोती आंगनवाड़ी 3 में गर्भवती महिलाओं एवं ओर अनन्य महिलाओ को जागरूक करते हुए उनके स्वस्थ का रख रखाव कैसे हो आहार पानी कैसे हो यह बताया गया और साथ ही छोटे बच्चों के लिए कितना जरूरी है पोलियो और अन्य टीकाकरण का महत्व बताते हुए टीकाकरण हुआ और सभी को गर्म करके कपड़ों का एवम सिंथेटिक कपड़े का वितरण क्लब मेंबर्स के साथ किया गया क्लब अध्यक्ष नीलम डोडानी, सचिव अंजली नायक, कोषाध्यक निधि अग्रवाल, सहसचिव रीत डोडानी उपस्थित रही।

वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत का विजिट कर मनाया विश्व मृदा दिवस

छिन्दवाड़ा। विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में जिले की तहसील उमरेठ के ग्राम छाबडीकला में आज कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र चंदनगांव व ऑचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र चंदनगांव के तत्वावधान में चंबल फर्टिलाइजर्स की ओर से मिट्टी परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ कार्ड के प्रति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ कार्ड की अनुशंसा के अनुसार खाद व उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई।

अवैध कारोबारों पर प्रशासन अंकुश लगाये: भाजपा

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने जिला महामंत्री परमजीत सिंह बिज, टीकाराम चंद्रवंशी, जिला कार्यालय मंत्री अलकेश लाम्बा, जितेन्द्र राय के साथ छिंदवाड़ा कलेक्टर से मिलकर ज़िले में चल रहे अवैध कारोबार, शराब माफिया, कोल माफिया, जुआँ सट्टा माफियाओं पर अति शीघ्र अंकुश लगाए जाने और त्वरित कार्रवाई करने के लिए चर्चा की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का स्वच्छ छिंदवाड़ा समृद्ध छिंदवाड़ा का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब हम छिंदवाड़ा से अवैध कारोबार को पूरी तरह से समाप्त कर देंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने कहा कि लंबे समय से छिंदवाड़ा अवैध कारोबारों का गढ़ बन गया है। जिस पर अंकुश लगाने और अवैध कारोबारियों पर सख्त कार्यवाही की जाकर उन अवैध कारोबारियों को दंडित किया जावे। कलेक्टर मनोज पुष्प ने भाजपा जिलाध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि छिंदवाड़ा के अवैध कारोबारियों पर शीघ्रातिशीघ्र सख्त कार्यवाही की जावेगी।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

उदार भाव से दान करने की अपील

छिन्दवाड़ा। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर संग्रहित धन राशि सीमाओं पर होने वाले शहीदों की विधवाओं, उनके परिवारजन, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं और आश्रितों के पुर्नवास के लिये आर्थिक सहायता प्रदान करने एवं उनके कल्याणार्थ चलाई जाने वाली योजनाओं पर व्यय किया जाता है। सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जया ज़ेवियर (से.नि.) ने छिंदवाड़ा जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि इस वर्ष सभी नागरिक सशस्त्र सेना के झंडे को धारण कर देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले जवानों और उनके परिजनों को नमन कर गौरवान्वित करें और उदार भाव से इस पुनीत कार्य में अधिकाधिक राशि झंडा दिवस निधि में दान कर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता का परिचय देकर कल्याणकारी योजनाओं के संचालन में योगदान दें।

नेशनल लोक अदालत 9 दिसम्बर को

अदालत में विद्युत उपभोक्ताओं के प्रकरणों में छूट का प्रावधान

छिन्दवाड़ा। जिला न्यायालय परिसर छिन्दवाडा और तहसील मुख्यालयों के सिविल न्यायालयों अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व जुन्नारदेव में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 126 के अंतर्गत बिजली चोरी, अनाधिकृत विद्युत का उपयोग एवं भार वृध्दि के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये 9 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस नेशनल लोक अदालत में सभी घरेलू और कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू और 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक श्रेणी के उपयोगकर्ता/उपभोक्ताओं के लिये छूट के प्रावधान किये गये हैं ।म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमि. के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में विशेष न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में आकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत और छ-माही चक्रवृध्दि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर शत-प्रतिशत तथा न्यायालय में प्रकरण दर्ज नहीं होने की स्थिति में आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत और छ-माही चक्रवृध्दि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी। शनिवार 9 दिसंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में इस प्रकार दी जाने वाली छूट व आकलित सिविल दायित्व की राशि 50 हजार रूपये तक के प्रकरणों के लिये सीमित रहेगी। आवेदक को निर्धारित छूट के बाद शेष देय आकलित सिविल दायित्व की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। आवेदक को विधिक संयोजन नहीं होने की स्थिति में विधिक संयोजन प्राप्त करना और पूर्व में विच्छेदित संयोजनों के विरुध्द यदि कोई राशि हो तो उसका भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। आवेदक को विद्युत चोरी/अनाधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही छूट दी जायेगी। पूर्व की लोक अदालतों में छूट प्राप्त आवेदक छूट के पात्र नहीं रहेंगे। सामान्य विद्युत देयकों के विरूध्द बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जायेगी। अब यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत 9 दिसंबर 2023 में समझौता करने के लिये लागू रहेगी तथा 9 दिसंबर के बाद कंपनी द्वारा छूट प्रदान नहीं की जायेगी और संबंधित उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को 16 प्रतिशत चक्रवृध्दि ब्याज की दर से भुगतान करना होगा जिसकी जवाबदेही उपभोक्ता/उपयोगकर्ता की रहेगी। अपराध शमन फीस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार वसूल की जायेगी ।

निगमायुक्त ने की लोक अदालत प्रकरणों की समीक्षा

छिंदवाड़ा। दिनांक 09 दिसंबर दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है जिसमे नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के संपत्ति कर के 350 प्रकरण एवं जलकर के 250 प्रकरण तैयार किए गए है। मंगलवार को निगमायुक्त राहुल सिंह ने प्रकरणों की समीक्षा की एवं वसूलीकर्ताओ को सभी बकायदारों से व्यक्तिगत संपर्क करने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली, राजस्व अधिकारी साजिद खान सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

12 दिसम्बर को आयेंगे कमलनाथ-नकुलनाथ

व्यापक समर्थन के लिये मानेंगे जनता का आभार

छिन्दवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ व जिले के युवा सांसद नकुलनाथ का आगामी 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक चार दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। नेताद्वय अपने दौरा कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित आयोजनों में उपस्थित होंगे। उक्त संदर्भ में सांसद कार्यालय द्वारा प्रेषित विज्ञप्ति के अनुसार नकुल-कमलनाथ दिनांक 12 दिसम्बर को विशेष वायुयान द्वारा छिन्दवाड़ा आयेंगे। नेताद्वय के छिन्दवाड़ा आगमन का विशेष प्रायोजन जिले की जनता जर्नादन से रूबरू भेंट कर उनके अपार सहयोग के लिये आभार व्यक्त करना है।

विधानसभा चुनावों में जिले की सातों सीटों पर छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना के जागरूक मतदाताओं ने जिले के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण एवं बाधित विकास कार्यों को पुन: प्रारंभ कर छिन्दवाड़ा को प्रदेश के अव्वल जिलों में शीर्षस्थ बनाये रखने के लिये अपना सम्पूर्ण समर्थन दिया है। कमलनाथ एवं नकुलनाथ के आव्हान पर मतदाताओं ने ऐतिहासिक मतदान कर जिले के परचम को लहराये रखा साथ ही कमलनाथ से किये गये अपने वादे को निभाया है। जिले की समर्पित जनता, विकास पसंद मतदाताओं के प्यार, आशीर्वाद और सतत सहयोग व प्रेरणा से छिन्दवाड़ा ने एक बार फिर इतिहास रचा है। कमलनाथ नकुलनाथ इन्हीं जनभावनाओं का पूर्ण सम्मान करते हुये, दिये गये व्यापक समर्थन के लिये अपना आत्मिक आभार व्यक्त करेंगे। साथ ही संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी व जाबांज कार्यकर्ताओं की निष्ठा व उनके कर्तव्य निर्वहन के लिये हार्दिक बधाई देंगे।

ऐथेलेटिक टीम 4 स्वर्ण पदक के साथ लौटी छिंदवाड़ा

छिन्दवाड़ा। जिला ऐथेलेटिक्स एसोसिएशन के कोच एवं सचिव राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि दिनांक 23 एवं 24 नवम्बर 2023 को इंदौर (देवा ऐथेलेटिक ट्रेक) में इंदौर ऐथेलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वाधान में फर्स्ट इंटर सर्च ऐथेलेटिक्स चैम्पियनशीप 2023 का आयोजन किया गया था ,जिसमें छिन्दवाड़ा के जिले के 10 सदस्यों ने भाग लिया, टीम के साथ एसोसिएशन के सहसचिव सुमंत लकड़ा कोच के रूप में गये थे। जिसमें 8 पदक जीते 1. अंजू भलावी ने भाला फेंक और डिस्कस थ्रो में 2 स्वर्ण पदक, 2. सोनालिका बट्टी ने ऊंची कूद में स्वर्णपदक, 3. प्रेमा धुर्वे ने गोलाफेंक में स्वर्ण पदक, 4. पारसनाथ ओक्टे ने 400 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ में रजक पदक जीता, 5.यश चैहान ने भालाफेंक में तृतीय स्थान प्राप्त कॉस्य पदक जीता। इनकी जीत पर ऐथेलेटिक्स एसोसिएशन छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष अभय दुग्गड़ व एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल सिंघई,नंदकिशोर पराड़कर, सचिव राजेन्द्र सिंह ठाकुर ,कोषाध्यक्ष अनिल सक्सेना एवं एसोसिएशन के सदस्य संजय चाटे ,दुबेलाल ,डॉ. सर्वोत्तम ठाकुर, सुनील तिवारी, विजय ठाकुर, रामदयाल अहिरवार, कमल मंडराह, अजय कुरोलिया, प्रभाकर भुसानकर आदि ने बधाई दी।

सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, सहायक अध्यापक और भृत्य निलंबित

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम द्वारा कार्य के प्रति उदासीनता बरतने व पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर एक सहायक शिक्षक, एक प्राथमिक शिक्षक, एक सहायक अध्यापक और भृत्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में सहायक शिक्षक व सहायक अध्यापक का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिछुआ और प्राथमिक शिक्षक व भृत्य का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय हर्रई रहेगा तथा सभी संबंधित कर्मचारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी ।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनाओं के आवेदन पत्र आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत जारी वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं में 15 दिसंबर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक हितग्राही निर्धारित तिथि तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री राजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत स्वयं की भूमि पर तालाब निर्माण, बायोफ्लॉक का निर्माण, आर.ए.एस.निर्माण, हेचरी निर्माण, आहार संयंत्र, आइस प्लाट और अन्य योजनायें संचालित हैं ।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से अपूर्व विज्ञान मेले में सम्मानित हुईं डॉ.अभिलाषा

छिन्दवाड़ा । बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध एसोसिएशन फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इन बेसिक साइंस ऑफ़ एजुकेशन नागपुर और नागपुर महानगरपालिका के संयुक्त तत्वाधान में गत 29 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 तक 5 दिवसीय अपूर्व विज्ञान मेला 2023 संपन्न हुआ । इस मेले के 26वें वर्ष में देश के विभिन्न प्रदेशों से वैज्ञानिक, दार्शनिक, विज्ञान संचारक और अनेक प्रतिभागी बच्चे शामिल हुए जिसमें विज्ञान व गणित की कठिन अवधारणाओं को बड़ी ही सहजता से छोटे-छोटे बच्चों व विज्ञान संचारको द्वारा आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया जिसका लाभ नागपुर के अनेक स्कूली बच्चों के साथ ही अनेक प्रांतों से पधारे बच्चों ने लिया। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश के विभिन्न राज्यों से पधारे विज्ञान संचारकों और प्रतिभागियों को उनके विद्यार्थी और देश हितार्थ कार्यों के लिए सम्मानित किया। इसमें मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की विज्ञान संचारिका डॉ.अभिलाषा जैन भांगरे को भी सम्मानित किया गया।विज्ञान संचारिका डॉ. अभिलाषा जैन भांगरे ने बताया कि इस अवसर पर बच्चों के बेसिक साइंस एजुकेशन के लिए प्रतिबद्ध समिति के सचिव सुरेश अग्रवाल, समिति अध्यक्ष ब्रह्मानंद स्वाई, प्रसिद्ध दार्शनिक श्री रघु ठाकुर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग दिल्ली के पूर्व निदेशक एवं गणितज्ञ डी.के.पांडे, रमन साइंस एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन गुजरात के कर्मठ अध्यक्ष डॉ.चंद्रमौली जोशी, नागपुर नगरपालिका कमिश्नर सुश्री आंचल सूद गोयल की गरिमामय उपस्थिति में सम्मान समारोह संपन्न हुआ। डॉ.अभिलाषा जैन भांगरे की इस उपलब्धि पर सभी शिक्षाविदों व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिखाया जौहर, विजेता हुए सम्मानित

बिछुआ। जनपद शिक्षा केंद्र बिछुआ के द्वारा जिला प्रशासन के निर्देशानुसार नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में दिव्यांगों विद्यार्थियों की विकासखंड़ स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ज्ञान की आराध्य देवी माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। इस दौरान विकासखंड़ शिक्षा अधिकारी रमेश गाजरे, विकासखंड़ स्त्रोत समन्वयक दिनेश कुमार डिगर्से, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य व्हीके पडोले, बीएसी जयदेव खरपुसे, एचआर कुरैशी, सीएम जन सेवा मित्र उमेश साहू आदि उपस्थित थे। बिछुआ बीआरसी दिनेश कुमार डिगर्से ने बताया की कक्षा पहली से आठवीं तक के दिव्यांग विद्यार्थियों में उत्साह का संचार करने के उद्देश्य और उनकी अंदर छिपी प्रतिभा कौशल को उभरने के लिए दौड़, कुर्सी दौड़, गायन, नृत्य, चित्रकला, कविता और भाषण, रंगोली एवं मेंहदी स्पर्धाएं आयोजित की गई। बीईओ रमेश गाजरे ने कहा की दिव्यांगों में असीमित क्षमताएं होतीं हैं, वस उन्हें थोड़े से हौसले की आवश्यकता होती है जिससे वें प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। बीएसी जयदेव खरपुसे ने आयोजन के पीछे शासन की छिपी मंशा जाहिर की।

विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित : 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में रविशंकर कवरेती, सूर्याशं वर्मा, नैतिक कोल्हे, बालिका वर्ग में अदिति, परिधि, कुर्सी दौड़ बालक वर्ग में सूर्याशं वर्मा, रविशंकर, नैतिक बालिका वर्ग में नंदनी सीलू, सलोनी मर्सकोले, मीनाक्षी कुडोपे, चित्रकला में भूमिका डेहरिया, मीनाक्षी कुडोपे, मेंहदी में भूमिका डेहरिया इसके अलावा जलेबी दौड़ बालक और बालिका वर्ग के लिए आयोजित की गई। वहीं मिली जानकारी के मुताबिक आगामी दिनों में जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में विकासखंड़ स्तर के विजेता प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विजेता प्रतिभागी ब्लाक प्रतिनिधित्व करेंगे।

इनका रहा विशेष सहयोग : स्पर्धा को संपन्न कराने में एमआरसी मुबीन खान, संदीप रत्रे, संदीप सोनारे, संतोष कुमार साहू, राजेन्द्र करमेले, रामगोपाल सरयाम, राजाराम सोलंकी, दयाराम पाल, पंचूसिंग धुर्वे, श्यामराव बेटे, आकील खान, सोनम साहू, कल्पना भादे, भावना नवारे, देवानंद नागरे, विनोद मर्सकोले, वासुदेव धारपुरे, संजीव गौतम समेत विभागीय कर्मियों का विशेष सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल ,सप्तपर्णी और अमरूद के पौधे रोपे। उनके साथ पूर्व मंत्री एदल सिंह कंसाना भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत रत्न डॉ आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

शिवराज ने लाड़ली बहनों का जताया आभार, बोले- 10 तारीख को खाते में फिर आएंगे पैसे, बढ़ाते-बढ़ाते इसको 3000 तक ले जाएंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहनों को खुशखबरी दी है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 10 दिसंबर को लाड़ली बहनों के खाते में राशि आ जाएगी। दरअसल मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद शिवराज ने लाड़ली बहनों के लिए सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने उनके आशीर्वाद, स्नेह और प्रेम को अद्भुत बताते हुए जीत का श्रेय दिया। शिवराज बोले- मेरी लाड़ली बहनों, शत-शत प्रणाम, आपने जो स्नेह और प्रेम दिया, वह अद्भुत है; बहनों मैं आभारी हूं। भाई-बहन का पवित्र रिश्ता एक-दूसरे के प्रति कर्तव्य का भान कराता है। आपके भाई की सदैव यही कोशिश रहेगी कि आपकी जिंदगी में कोई कठिनाई या कांटे नहीं रहें। मेरी बहनों फिर से 10 तारीख आ रही है। लाड़ली बहन की राशि अब आपके खाते में फिर डाली जाएगी। जो कहा है कि बढ़ाते बढ़ाते इसको 3000 तक ले जाएंगे, यह संकल्प पूरा करेंगे।

आपकी जिंदगी खुशियों से भरी रहे, ये भाई की इच्छा....

10 दिसंबर को महिलाओं के खाते में 7वीं किस्त जारी की आएगी। बता दें, 7 नवंबर को करीब 1 करोड़ 31 लाख महिलाओं के खाते में योजना की राशि गई थी। ये लाड़ली बहना योजना की छठी किस्त थी, इसके तहत बहनों के खाते में 1250 रुपए जारी किए जाएंगे। मध्यप्रदेश सरकार ने लाड़ली बहना योजना 5 मार्च 2023 को शुरू की थी। बता दें शिवराज सरकार ने 1 हजार रुपए से इस योजना की शुरुआत की थी। उन्होंने वादा किया था कि धीरे-धीरे वह इस राशि को बढ़ाएंगे। सीएम ने कहा था कि इस योजना में वह पैसे बढ़ाते जाएंगे। 1,250, 1,500 और फिर इसे 3 हजार रुपए करूंगा।

लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए 3 आईएएस सहित कई अधिकारी पुरस्कृत

जीरो डिफेक्ट के साथ योजना का क्रियान्वयन अधिकारी-कर्मचारियों की अद्भुत उपलब्धि: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासकीय अमले ने कम समय में बाधारहित रूप से इतनी बड़ी योजना का जीरो डिफेक्ट के साथ क्रियान्वयन कर क्रांति की है, यह अद्भुत उपलब्धि है। टीम मध्यप्रदेश के टीम वर्क की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। युद्ध स्तर पर कार्य कर मात्र 75 से 80 दिनों में 01 करोड़ 31 लाख बहनों को जोड़ना अधिकारी-कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कोई भी पात्र बहन योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं रही, बिना शिकायतों का अंबार लगे योजना क्रियान्वित हुई, यह उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने एमपी में लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आज भोपाल में आयोजित समारोह में 3 आईएएस सहित कई अधिकारी-कर्मचारियों को प्रदान प्रशस्ति-पत्र किए। ये आईएएस अधिकारी है- डॉ रामाराव भोंसले,आयुक्त महिला और बाल विकास, अभिजीत अग्रवाल एमडी एसईडीसी, अजय कटेसरिया उप सचिव। सीएम ने योजना के राज्य नोडल अधिकारी और विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ विशाल नाडकर्णी के साथ ही अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है, इतिहास में यह सामाजिक क्रांति के रूप में दर्ज होगी। योजना ने महिलाओं का आत्मविश्वास-आत्मसम्मान बढ़ाया है। महिलाओं के प्रति परिवारजन तथा समाज का व्यवहार एवं दृष्टिकोण बदला है। महिलाओं ने योजना का लाभ उठाकर अपने काम आरंभ किए हैं और वे आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान लाड़ली बहना योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को समत्व भवन में संबोधित किया और उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किए। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी तथा अधिकारी उपस्थित थे।

जीवन स्तर में सुधार और उनका सम्मान बढ़ाना योजना का उद्देश्य

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता वर्ष 2017 से आरंभ की गई थी। इस योजना की प्रभावशीलता के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि आर्थिक सहायता से बच्चों के कुपोषण स्तर में सुधार हुआ है। परिणामस्वरूप यह विचार आया कि सभी जरूरतमंद महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने से उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और महिलाओं का सम्मान भी बढ़ेगा। बिना किसी जाति भेद के सभी बहनों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाड़ली बहना योजना आरंभ की गई।

लाल परेड मैदान में होमगार्ड के जवान परेड करते हुए।

नहीं रही मासूम.... राजगढ़ में बोरवेल में गिरी माही नहीं रही

राजगढ़। राजगढ़ में मंगलवार (5 दिसंबर) को बोरवेल में गिरी 4 साल की मासूम माही की मौत हो गई है। माही को रात करीब तीन बजे बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन उस वक्त बच्ची बेहोश थी। उसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत को बिगड़ता देख उसे भोपाल रेफर किया गया। भोपाल में हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दरअसल राजगढ़ में बोरवेल में गिरी 5 साल की बच्ची को आखिरकार बाहर निकाल लिया गया था। मासूम को बोरवेल से बाहर निकालने के लिए बड़ी मशक्कत लगी थी। बोरवेल से बाहर निकलने के बाद माही की तबीयत ज्यादा खराब थी। इलाज के लिए उसे भोपाल के अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई।

9 घंटे बाद रेस्क्यू कर बोरवेल से निकाला था

बच्ची पटाड़िया गांव की रहने वाली है, जो पिता रवि के साथ मामा इंदर सिंह के घर आई थी। यहां खेत में खेलते-खेलते वह बोरवेल में गिर गई। सूचना मिलते ही एसडीएम अंशुमन राज सहित प्रशासनिक अमला और पुलिस मौके पर पहुंच गए थे। कलेक्टर हर्ष दीक्षित और एसपी धर्मराज मीणा भी मौके पर थे। बोरवेल में कैमरा डालकर बच्ची के हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी। ऑक्सीजन नीचे तक पहुंचाया जा रहा था। बच्ची के हाथों का मूवमेंट नजर आ रहा थे। डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की टीम भी बुला ली गई थी। लेकिन माही जिंदगी से हार गई।

भोपाल। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हत्या के विरोध में भोपाल में करणी सेना ने प्रदर्शन किया।

तूफान का असर: भोपाल, ग्वालियर-चंबल और रीवा में सर्द हवा, जबलपुर-शहडोल संभाग में बारिश के आसार

भोपाल। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठे तूफान मिचौंग का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। बुधवार सुबह भोपाल, रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग के साथ ही छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में कोहरा रहा। सर्द हवा चलती रही। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को तूफान का असर देखने को मिलेगा। जबलपुर-शहडोल संभाग के जिलों में हल्की बारिश भी हो सकती है।

इससे पहले मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बादल छाए। जबलपुर में घना कोहरा रहा। तूफान की वजह से दिन में सर्दी भी बढ़ गई है। मंगलवार को इंदौर और धार प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। इंदौर में तो एक ही दिन में तापमान 6.3 डिग्री तक लुढ़क गया। यहां दिन का तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि तूफान की वजह से जबलपुर और शहडोल संभाग के जिलों में ज्यादा असर है। बुधवार को जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, सिवनी, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। दिन में ठिठुरन बढ़ी, इंदौर-धार सबसे ठंडेः मंगलवार को दिनभर सर्द हवाएं चलती रहीं। इंदौर और धार में दिन का टेम्प्रेचर 20 डिग्री रहा। इंदौर में सोमवार की तुलना में पारा 6.3 डिग्री लुढ़का। भोपाल में पारा 4.3 डिग्री लुढ़ककर 20.6 डिग्री पर पहुंच गया। उज्जैन में 20.5 डिग्री और जबलपुर में 25.8 डिग्री रहा। ग्वालियर में 25 डिग्री दर्ज किया गया। मध्यप्रदेश में सात दिन से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से बारिश और ओलों का दौर रहा, जो 3 दिसंबर को थम गया। हालांकि, रात में ग्वालियर और दतिया में हल्की बारिश हुई।

राज्य सेवा परीक्षा में पूछे प्रश्नों के दिए गए उत्तर सही थे या गलत, सुप्रीम कोर्ट ही तय करेगा

इंदौर। राज्य सेवा भर्ती प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए दो प्रश्नों के जो विकल्प प्रश्न पत्र में दिए गए थे वे सही थे या गलत, इसका निर्णय सुप्रीम कोर्ट ही करेगी। यह कहते हुए हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने प्रश्नों के विकल्प को चुनौती देते हुए प्रस्तुत तीन दर्जन से ज्यादा याचिकाएं एक साथ निराकृत कर दी। पीएससी ने कोर्ट में आश्वासन दिया कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही याचिका का जो भी परिणाम होगा वह सभी अभ्यर्थियों पर लागू किया जाएगा।

राज्य सेवा भर्ती प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्नों के विकल्प को लेकर विवाद है। एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने बताया कि परीक्षा में पूछा गया था कि भारत छोड़ो आंदोलन कब शुरु हुआ था और मप्र चुनाव आयोग का गठन कब हुआ था। इन दोनों प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए थे। बाद में पीएससी ने इन चारों विकल्पों को गलत बताते हुए प्रश्न विलोपित कर दिए।

अलग-अलग याचिकाएं दायर हुई थी

इस मामले को लेकर अलग-अलग याचिकाएं हाई कोर्ट की विभिन्न खंडपीठों के समक्ष प्रस्तुत हुई। इसमें कहा था कि दोनों प्रश्नों के दिए गए चारों विकल्पों में से एक उत्तर सही है। इसलिए प्रश्नों को विलोपित नहीं किया जा सकता। जबलपुर में एकल पीठ ने एक याचिका का निराकरण करते हुए अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी थी। इस फैसले को शासन ने युगलपीठ के समक्ष चुनौती दी, जहां से शासन को राहत मिल गई। इस पर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया जहां वर्तमान में वह लंबित है।

मप्र में 16 वीं विस, निर्वाचित 230 विधायकों में 34 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले

भोपाल। मध्यप्रदेश में 16वीं विधानसभा के लिए निर्वाचित 230 विधायकों में 205 करोड़पति हैं। इनमें से 102 विधायकों के पास 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। वहीं, 90 विधायकों पर आपराधिक केस दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

एडीआर की रिपोर्ट में बताया गया है कि भाजपा के 163 में से 144 विधायक यानी 88त्न और कांग्रेस के 66 में से 61 यानी 92त्न विधायक करोड़पति हैं। पिछली विधानसभा में करोड़पति विधायकों की संख्या 187 थी। सबसे अधिक संपत्ति वाले विधायकों में चैतन्य कश्यप के पास 296 करोड़, संजय पाठक के पास 242 करोड़, कमलनाथ के पास 134 करोड़, भूपेंद्र सिंह के पास 84.34 करोड़ और सुदेश राय के पास 74.71 करोड़ की संपत्ति है।

एडीआर ने कहा है कि इस बार 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 102 है। 2 से 5 करोड़ तक की संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 71 है। 50 लाख से 2 करोड़ तक की संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 48 जबकि 50 लाख से कम संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 9 है। 2023 के चुनाव में निर्वाचित विधायकों की औसत संपत्ति 11.77 करोड़ रुपए है। 2018 में यह 10.17 करोड़ रुपए थी।

34 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले

230 में से 90 विधायकों ने खुद पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी शपथ पत्र में दी है, जो कुल संख्या का 39 प्रतिशत है। 2018 के विधानसभा चुनाव में 230 में से 94 यानी 41प्रतिशत विधायकों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए थे। 2023 चुनाव के 34 प्रत्याशियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले हैं, यह कुल संख्या का 15 प्रतिशत है। 2018 में गंभीर मामलों में अपराधिक केस वाले विधायकों की संख्या 47 थी, जो कुल विधायकों की संख्या का 20 प्रतिशत है।

हत्या, हत्या के प्रयास और रेप संबंधी केस भी

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में पिछोर से जीते भाजपा के प्रीतम लोधी पर हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित मामला दर्ज है। उनके समेत विक्रम सिंह विक्की (रामपुर), इंदर सिंह परमार (शुजालपुर), यादवेंद्र सिंह जग्गू भैया (टीकमगढ़) और एक अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित केस हैं। महिलाओं के ऊपर अत्याचार जैसे मामलों- रेप और अन्य अपराधों से संबंधित केस घोषित करने वाले विधायकों की संख्या तीन है।

विधायकों पर दर्ज केस की दलवार स्थिति

विधायक बनने वाले ऐसे नेताओं में बीजेपी के 163 में से 51 यानी 31 प्रतिशत, कांग्रेस के 66 में से 38 यानी 58 प्रतिशत और एक अन्य भारत आदिवासी पार्टी से जीते कमलेश डोडियार शामिल हैं। इनमें से बीजेपी के 16 (10 प्रतिशत) और कांग्रेस के 17 (26 प्रतिशत) विधायकों ने अपने ऊपर गंभीर मामले दर्ज होने की जानकारी विधानसभा चुनाव के लिए भरे गए नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र में दी है।

34 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले

230 में से 90 विधायकों ने खुद पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी शपथ पत्र में दी है, जो कुल संख्या का 39 प्रतिशत है। 2018 के विधानसभा चुनाव में 230 में से 94 यानी 41 प्रतिशत विधायकों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए थे। 2023 चुनाव के 34 प्रत्याशियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले हैं, यह कुल संख्या का 15 प्रतिशत है। 2018 में गंभीर मामलों में अपराधिक केस वाले विधायकों की संख्या 47 थी, जो कुल विधायकों की संख्या का 20 प्रतिशत है।

चैतन्य कुमार काश्यप (भाजपा), रतलाम सिटी
296 करोड़

संजय पाठक (भाजपा), विजयराघवगढ़
242 करोड़

कमलनाथ (कांग्रेस) छिंदवाड़ा
134 करोड़

सुरेंद्र पटवा (भाजपा) भोजपुर
66 करोड़

राकेश गोलू शुक्ला (भाजपा), इन्दौर-3
61 करोड़

हत्या, हत्या के प्रयास और रेप संबंधी केस भी

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में पिछोर से जीते भाजपा के प्रीतम लोधी पर हत्या, हत्या के प्रयास से संबंधित मामला दर्ज है। उनके समेत विकम सिंह विक्की (रामपुर), इंदर सिंह परमार (शुजालपुर), यादवेंद्र सिंह जग्गू भैया (टीकमगढ़) और एक अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित केस हैं। महिलाओं के ऊपर अत्याचार जैसे मामलों- रेप और अन्य अपराधों से संबंधित केस घोषित करने वाले विधायकों की संख्या तीन है।

विधायकों पर दर्ज केस की दलवार स्थिति

विधायक बनने वाले ऐसे नेताओं में बीजेपी के 163 में से 51 यानी 31 प्रतिशत, कांग्रेस के 66 में से 38 यानी 58 प्रतिशत और एक अन्य भारत आदिवासी पार्टी से जीते कमलेश डोडियार शामिल हैं। इनमें से बीजेपी के 16 (10 प्रतिशत) और कांग्रेस के 17 (26 प्रतिशत) विधायकों ने अपने ऊपर गंभीर मामले दर्ज होने की जानकारी विधानसभा चुनाव के लिए भरे गए नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र में दी है।

सबसे कम उम्र 31, सबसे अधिक 80 साल

निर्वाचित विधायकों में 31 से 40 वर्ष के 18 एमएलए, 41 से 50 वर्ष के 53 एमएलए, 51 से 60 वर्ष के 86 जबकि 61 से 70 वर्ष के 57 और 71 से 80 वर्ष के 16 विधायक चुने गए हैं।

कांग्रेस पर भड़के अनुराग ठाकुर, बोले- वे सिर्फ हिंदुत्व का अपमान करते हैं

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस को चार राज्यों में हार का सामना करना पड़ा। केवल तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही। कांग्रेस की हार के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस दुर्व्यवहार पर उतर आई है।

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, उनकी सोच स्पष्ट है। वे देश की संस्कृति और पहचान को मिटाना चाहते हैं। कुछ लोग टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े हैं। लेकिन हम देश को बंटने नहीं देंगे। उनकी सोच केवल हिंदुत्व और सनातन धर्म का अपमान करना है। कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टी लगातार सनातन धर्म को बदनाम करते रहते हैं। उन्होंने तेलंगाना के नए सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा, तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है। द्रमुख नेताओं का सनातन धर्म, हिंदू और हिंदी बोलने वालों के खिलाफ जानी मानी साजिश है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, दिगविजय सिंह समेत अन्य कई विपक्षी नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। हार के बाद वह अपने हार की वजहों को नहीं देखते। वे केवल ईवीएम को दोष देते हैं।